ÀBSOLŪTO™ FINER SIDE OF FASHION
22 जुलाई से 6 अगस्त 2025
SINCE 1998
टेक्सटाइल वर्ल्ड
TWILL STORY
PECHAAN 5

ABSOLUTO व ELITE की फुकेत में ग्रैंड सेल्स कॉन्फ्रेंस

मुम्बई/ फुकेत... भारतीय मेन्स फैशन उद्योग में तेजी से लोकप्रिय हो रहे प्रीमियम ब्राण्ड्स ABSOLUTO और ELITE ने हाल ही में थाईलैंड के प्रमुख पर्यटन स्थल फुकेत में अपनी भव्य ऑल इंडिया सेल्स कॉन्फ्रेंस का सफल आयोजन किया। इस आयोजन में भारत के विभिन्न राज्यों से आए चैनल पार्टनर्स, होलसेलर्स और रिटेलर्स ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। जहाँ एक ओर व्यापारिक बातचीत और बुकिंग्स का सिलसिला चला, वहीं दूसरी ओर फुकेत के शानदार नजारे और पर्यटक स्थलों की सैर ने सभी के अनुभव को यादगार बना दिया। इस अवसर पर ABSOLUTO और ELITE ने 'नया फैशन एवं नई सोच' की अवधारणा पेश करते हुए नई रेंज का भव्य अनावरण किया। कॉन्फ्रेंस के दौरान कम्पनी KBS INTERNATIONAL ने अपने दोनों ब्राण्ड्स ABSOLUTO और ELITE के तहत आगामी फेस्टिव, वेडिंग और विंटर सीजन के लिए नई रेंज का शानदार प्रदर्शन किया। नई रेंज में विशेष रूप से पोली स्पैन्डेक्स कलेक्शन, पोली डिजाइन फैब्रिक्स, निटिंग और बोन्डेड निटिंग रेंज, लचका सूटिंग-शर्टिंग, ट्वीड और एथनिक कलेक्शन पेश किए गए। इस भव्य प्रदर्शनी में अनेक सेगमेंट्स में हजारों विकल्पों के साथ एक विस्तृत कलेक्शन प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा ABSOLUTO ने लेटेस्ट फैशन ट्रेंड्स के अनुसार ट्रेंडी डिजाइंस और आकर्षक कलर्स में इम्पोर्टेड टीआर फैब्रिक्स की भी नई रेंज लॉञ्च की, जो पार्टी वियर, वेडिंग वियर, फॉर्मल और कैजुअल वियर के लिए उपयुक्त है। इसी तरह ELITE ब्राण्ड ने प्रीमियम पोलीवूल और वूलन ब्लेंड सूटिंग्स की आकर्षक रेंज प्रस्तुत की, जिसमें फैशन के साथ-साथ कम्फर्ट का भी पूरा ख्याल रखा गया है।

बिजनेस के साथ रिश्तों की मजबूती को प्राथमिकता -श्री कमल सेकसरिया

ABSOLUTO और ELITE ब्राण्ड की निर्माता कम्पनी केबीएस इंटरनेशनल के डायरेक्टर और ABSOLUTO के फाउंडर श्री कमल सेकसरिया ने कहा, ''हमारा उद्देश्य सिर्फ व्यापार करना नहीं, बल्कि अपने व्यापारिक साझेदारों के साथ दीर्घकालिक संबंधों को और गहरा करना है। ABSOLUTO और ELITE के जरिए हम भारतीय बाजार में इंटरनेशनल लेवल की लग्जरी क्वालिटी, अफोर्डेबल दामों पर उपलब्ध करा रहे हैं।''

कम्पनी के डायरेक्टर श्री हर्ष सेकसरिया ने कहा, ''हम लगातार मेन्स वियर के लिए नए इनोवेशन कर रहे हैं। फैशन के बदलते ट्रेंड्स को ध्यान में रखते हुए हम हर सीजन के लिए नई रेंज तैयार करते हैं। फुकेत कॉन्फ्रेंस हमारे व्यापारिक नेटवर्क को और मजबूत करने का एक यादगार अनुभव रहा।''

डीलर्स की मिली शानदार प्रतिक्रिया

श्री संजय गुप्ता
गुप्ता टेक्सटाइल ट्रेडिंग कम्पनी
अंबाला सिटी

ABSOLUTO की कॉन्फ्रेंस में जाते हैं, तो बहुत संतुष्टि मिलती है। हम उस परिवार से जुड़े हैं, जहाँ हमेशा ताजगी और नयापन देखने को मिलता है। ABSOLUTO हमारे मन एवं व्यापार में हमेशा नंबर वन रहा है और इस बार भी ABSOLUTO ने नए प्रीमियम प्रॉडक्ट लॉञ्च किए है, जो बहुत ही आकर्षक और नवीनतम हैं। इसके उत्पादों में हमेशा ताजगी और नयापन देखने को मिलता है, जो ग्राहकों को आकर्षित करता है। ABSOLUTO एक नंबर वन ब्राण्ड है, जो अपने उत्पादों की गुणवत्ता और नवीनता के लिए जाना जाता है। इसकी जितनी प्रशंसा करें कम हैं।

श्री रमेश कुमार
पारेख डिस्ट्रीब्यूटर
बैंगलोर

ABSOLUTO की कॉन्फ्रेंस न केवल व्यापारिक दृष्टिकोण से महत्त्वपूर्ण है, बल्कि यह कपड़ा व्यापारियों को एक अच्छा अनुभव भी प्रदान करती है। ABSOLUTO की कॉन्फ्रेंस में व्यापार के अद्यतन और नवीनीकरण के लिए बहुत कुछ सीखने को मिलता है। वहीं व्यापारियों को अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए नए विचार और रणनीतियाँ मिलती है। ABSOLUTO की कॉन्फ्रेंस एक अच्छा अनुभव भी प्रदान करती है, जहाँ व्यापारी नए लोगों से मिलते हैं और अपने व्यवसाय के बारे में चर्चा करते हैं। श्री कमल सर और श्री हर्ष सर का नेतृत्व और व्यापार नीति बहुत ही सरल और प्रभावशाली है, जो व्यापारियों को आकर्षित करती है। ABSOLUTO की कॉन्फ्रेंस में बहुत कुछ अनुभव करने के लिए मिलता है, जो व्यापारियों के लिए बहुत ही उपयोगी होता है।

श्री राहुल संघवी
जैनम फैब्रिक
भीलवाड़ा

मैं जब भी ABSOLUTO की कॉन्फ्रेंस में जाता हूँ , तो यहीं सोचता की इस बार क्या नया होगा, मेरी इस जिज्ञासा को अपार संतुष्टि कॉन्फ्रेंस में जाकर अवश्य मिलती हैं। श्रीमान हर्ष सर बहुत कुछ नया डवलपमेण्ट लाते ही हैं। ABSOLUTO हमेशा नई और आकर्षक रेंज लेकर आता है, जो ग्राहकों को आकर्षित करती है। ABSOLUTO की रेंज में अनेक वैरायटी होती है, जो ग्राहकों की विभिन्न पसंदों को पूरा करती है। इसकी गुणवत्ता इतनी अच्छी होती है कि ग्राहक हमेशा संतुष्ट रहते हैं। ABSOLUTO की कॉन्फ्रेंस हमेशा 'सर्वश्रेष्ठ' होती है, क्योंकि इसमें हमेशा कुछ नया और आकर्षक देखने को मिलता है।

श्री अभिषेक अग्रवाल
अग्रवाल सिंटेक्स
टाटानगर

मेन्स वियर सेगमेंट में ABSOLUTO फैशनेबल एवं स्टाइलिश फैब्रिक के रूप में आज ध्रुव तारे की तरह चमक रहा है। ABSOLUTO का नाम देश के अग्रणी ब्राण्ड्स में सम्मिलित हैं। इंपोर्टेड टीआर एवं एथनिक फैब्रिक्स में कलर्स एवं डिजाइंस की विशालता ABSOLUTO की सबसे बड़ी स्ट्रेंथ है। फुकेत- कराबी कॉन्फ्रेंस में जो डिस्प्ले किया गया, वह अप्रतिम था। श्रीमान हर्ष सर ने बहुत ही अच्छा कलेक्शन तैयार किया हैं।

श्री राजेश खेतान
बल्देव दास खेतान एण्ड ब्रदर्स
वाराणसी

ब्राण्ड ABSOLUTO का बाजार में कोई टक्कर का नहीं हैं। बहुत बढ़िया कपड़ा है, खूब पसंद किया जाता हैं और एक-एक रिटेलर दबा के कपड़ा लिखाता हैं। ABSOLUTO की पॉलिसी बहुत शानदार है, हम निर्भय होकर के कपड़ा बेचते हैं, कभी कोई कंप्लेन नहीं आती है। इस बार फुकेत - कराबी में हमारे रिटेलर्स को बहुत आनंद आया, खूब जमकर बुकिंग दी। अब भारत जाते ही उदयपुर कॉन्फ्रेंस की तैयारी करेंगे।

श्री संदीप अग्रवाल
अग्रवाल शर्टिंग प्रा. लि.
कानपुर

ABSOLUTO की कॉन्फ्रेंस बिल्कुल अलग ढंग की होती है। कॉन्फ्रेंस में बहुत सारे विषयों पर चर्चा के साथ व्यापारियों के सुझाव भी लिए जातें और उन सुझावों के अनुरूप डिजाइन, कलर एवं ब्लेंड के अनुसार नया डवलपमेण्ट करके भी बताया जाता हैं, जिससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है। हम स्वयं भी कॉन्फ्रेंस में जाने से पूर्व सभी तरह की तैयारियां करके जाते हैं, इस बार फुकेत-कराबी ट्यूर में बहुत आनंद आया ।

श्री हर्ष बिदासरिया
गौरव टेक्सटाइल, पटना

जब भी हमारे सेल्स ऑफिसर सेल्स ट्यूर पर जाते तो उनका बोलना हैं कि रिटेलर्स सबसे पहले ABSOLUTO के सैंपल्स ही दिखाने को बोलते हैं, क्योंकि लेटेस्ट डिजाइन ABSOLUTO में ही देखने को मिलेगी। यह हमारा भी अनुभव है जो कलर कही-कही नहीं मिलेगा, वह ABSOLUTO में अवश्य मिलेगा। ABSOLUTO की रेंज में एक सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है, किसी को भी सैंपल्स दिखायें रिटेलर्स कुछ ना कुछ तो लेता ही हैं।

श्री समीत जैन
श्री मंधर दास एण्ड सन्स, दिल्ली

लग्जरी फैब्रिक वह भी उचित रेट पर, यह कॉम्बो अपने-आप में अद्वितीय हैं। ABSOLUTO यह नाम ही अपने-आप में एनर्जी देता हैं, जो सम्मान हमें बाजार में मिलता है, वह ABSOLUTO ब्राण्ड नाम के कारण हैं, क्योंकि ABSOLUTO है तो फैशन एवं सहज उपलब्धता हैं। हम ABSOLUTO परिवार से जुड़कर बहुत खुश है।

श्री आशिष चांडक
जयलक्ष्मी टेक्सटाइल, चेन्नई

इंपोर्टेड टीआर सूटिंग्स में ABSOLUTO की बाजार में बहुत अच्छी पकड़ है। तमिलनाडु मार्केट बहुत ही ज्यादा कॉम्पिटीशन वाला मार्केट हैं, इस मार्केट में वहीं स्टेंड रह पाता है, जिसकी क्वालिटी अच्छी हो, इसलिए ABSOLUTO ने तमिलनाडु मार्केट में अपना वर्चस्व बनाना शुरू कर दिया हैं। ABSOLUTO की Legend Plain, TR एवं जैकार्ड का मुकाबला कोई नहीं कर सकता।

Trade Enquiries: +91 70218 42353
Visit us at: www.worldofabsoluto.com
Follow us on: Absoluto Finer Side Of Fashion absolutoofficial

ABSOLUTO ने फुकेत में डीलर्स एवं रिटेलर्स संग मनाया सफलता का जश्न

बिजनेस मीट और लग्जरी ट्रैवल का अनूठा संगम

ABSOLUTO एवं ELITE की नई केटलॉग का अनावरण

ब्राण्ड ABSOLUTO की दो नई केटलॉग का अनावरण किया, जिनसे प्रजेंटेशन में चार चांद लग गए। इन केटलॉग्स् में एक से बढ़कर एक डिजाइने प्रजेंट की गई है, जिन्हें व्यापारियों ने खूब पसंद किया। ELITE ब्राण्ड ने भी अपनी भव्यता को और निखारते हुए केटलॉग का अनावरण किया। इन तीनों केटलॉग्स् को देखकर व्यापारियों का मन उत्साहित हो गया एवं बुकिंग के पंख लग गये।

कॉन्फ्रेंस में पुरस्कार वितरण ने बढ़ाया उत्साह

कम्पनी द्वारा आयोजित चार दिवसीय इस भव्य आयोजन में HIGHEST बुकिंग पर विशेष स्कीम रखी गई। योजना के तहत प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। सभी व्यापारियों ने इस स्कीम में बढ़-चढ़कर भाग लिया और माहौल को और भी जोशीला बना दिया।

व्यापारियों की प्रतिक्रिया "हमारा भरोसा और गहरा हुआ"

फुकेत सेल्स कॉन्फ्रेंस न ABSOLUTO और ELITE के नेटवर्क को और सशक्त किया है। व्यापारियों ने ब्राण्ड्स के प्रति अपनी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा, "कम्पनी ने हमेशा हमें परिवार की तरह जोड़ा है। यह फुकेत कॉन्फ्रेंस भी उसी परंपरा का विस्तार थी। हम सिर्फ व्यापार के लिए नहीं, बल्कि रिश्तों के लिए भी जुड़े हैं।"

परफेक्ट चॉइस फॉर फैशन लवर्स

चाहे कोट-पेंट हो, टक्सीडो, शेरवानी, इंडो-वेस्टर्न, जैकेट या फॉर्मल वियर -ABSOLUTO और ELITE की रेंज आज फैशन प्रेमियों की पहली पसंद बन चुकी है। इनकी खासियत है- वाइड रेंज ऑफ डिजाइंस, ट्रेंडी कलर्स, इंटरनेशनल स्टैंडर्ड की क्वालिटी, अफोर्डेबल प्राइस में लग्जरी फैशन फैब्रिक्स।

पाक्षिक

SINCE 1998

टेक्सटाइल वर्ल्ड

Postal Registration No : BHILWARA/208/2024-2026 Posting on 24-07-2025 at Rail Mail Service, Bhilwara

वर्ष-28 | अंक-03 | भीलवाड़ा/22 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ- 18 | मूल्य : 25 रुपए | 1

निर्यात कारोबार बढ़ने से गारमेण्ट उत्पादन बढ़ाने पर जोर

मुम्बई/ रमाशंकर पाण्डेय

गारमेण्ट की रिटेल बिक्री मंद होने से एंड ऑफ सीजन की सेल ग्राहकी का जोर नहीं है। रिटेलर्स की हर संभव कोशिश इस ऑफ सीजन में पुराने स्टॉक को कम कर आगे के लिए नये स्टॉक भरने की है। यद्यपि छोटे से लेकर बड़े ब्राण्ड तक में बहुत ही आकर्षक ऑफर से ग्राहकों को अपनी ओर खींचने का प्रयास किया गया है। गारमेण्ट इकाइयों में आगे की सीजन के लिए उत्पादन प्रोग्रामों को मूर्त रूप देने के लिए जरूरी श्रमिकों का अभाव महसूस किया जा रहा है। इस कारण गारमेण्ट इकाइयों में गारमेण्ट का उत्पादन नहीं बढ़ पा रहा है, लेकिन निर्यात कारोबार अच्छा होने से उत्पादकों में उत्साह है।

ऑफ सीजन शुरू होने से पहले रिटेल गारमेण्ट में कामकाज धीरे ही सही, लेकिन बहुत अच्छा रहा है। गारमेण्ट के सभी खंडों जैसे कि जेंट्स, लेडीज और चिल्ड्रन वियर में रिटेलर्स अपनी बिक्री का लक्ष्य पाने के करीब पहुँच गए थे। अप्रैल से मई के अंत तक गारमेण्ट की रिटेल बिक्री बहुत अच्छी रहीं है। इसलिए रिटेलर्स के पास समर सीजन का स्टॉक अब बहुत ज्यादा नहीं बचा है। अब 14 जुलाई से द क्लोदिंग मैन्यूफेक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया का 81वां नेशनल गारमेण्ट फेयर आयोजित किया गया। इस तीन दिवसीय गारमेण्ट फेयर के लिए बहुत अच्छे प्रमाण में सेम्पलिंग की गई है।

इस फेयर में गारमेण्ट इकाइयों के पास निर्यात ऑर्डर बढ़ रहे हैं और इकाइयों में उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। अभी तक देश में गारमेण्ट की उत्पादन क्षमता उस स्तर की नहीं रही है, जैसी प्रतिस्पर्धी देशों की है,

शेषांश पृष्ठ 10...

जापानी ब्राण्ड भारत के टेक्सटाइल सेक्टर में निवेश के इच्छुक -कपड़ा मंत्री

भारत से जापान को गारमेण्ट निर्यात बढ़ाने की व्यापक संभावना - एईपीसी

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

विगत दिनों टोक्यो में सम्पन्न हुए इंडिया टेक्स ट्रेंड फेयर के 16वें संस्करण के उद्घाटन के बाद भारतीय कपड़ा मंत्री श्री गिरीराज सिंह ने कहा कि जापानी उद्योग को भारत में टेक्सटाइल सेक्टर में निवेश के लिए आमंत्रित किया है और उन्होंने भारत में उद्योग स्थापित करने में अपनी दिलचस्पी प्रकट की है। साथ ही अपेरल एक्सपोर्ट प्रोमोशन कौंसिल के चेयरमैन श्री सुधीर सेखरी ने कहा कि भारत से जापान को गारमेण्ट निर्यात बढ़ाने की व्यापक संभावनाएं हैं।

उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए श्री सिंह ने कहा कि भारत-जापान कपड़ा व्यापार संबंध बहुत पुराने हैं। जापान के टेक्सटाइल उद्योग को भारत के उद्योग स्थापित करने के लिए आमंत्रित करते हुए उन्होंने भारत सरकार द्वारा टेक्सटाइल और गारमेण्ट सेक्टर के लिए बनाई गई नीतियों की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार ने पीएम पार्क जैसी योजनाएं बनाई हैं, जिनमें प्रत्येक उद्योग को 1,000 से 2,000 एकड़ तक भूमि उपलब्ध कराई जाएगी तथा जो जापानी उद्यमी वहाँ उद्योग स्थापित करेगा, उन्हें बिजली, श्रम आदि सब्सिडी व सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

श्री सिंह ने कहा कि हाल ही में जापान ने भारत से 5,000 कारें आयात की है, जो इस बात का प्रमाण है कि भारत की क्वालिटी जापान के मानकों के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि भारत एक टिकाऊ फाइबर नीति के अतिरिक्त टिकाऊ कार्यबल भी है, जिसका प्रयोग निर्यात को बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता है।

इस अवसर पर कपड़ा मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव श्री रोहित कंसल ने कहा कि भारतीय कपड़ा क्षेत्र निवेश के व्यापक अवसर प्रस्तुत करता है। भारत टेक्सटाइल सेक्टर की आरंभ से लेकर अंत तक की चेन की क्षमता विशाल घरेलु बाजार और बड़े स्तर की टिकाऊ उत्पादन क्षमता, निर्यात का रिकॉर्ड आदि किसी भी निवेशक या खरीददार को आकर्षित करने के लिए पर्याप्त है। एईपीसी के चेयरमैन श्री सेखरी ने कहा कि इडिया टेक्स ट्रेंड फेयर भारतीय टेक्सटाइल की विविधताओं, नवीनता आदि विशेषताओं की जानकारी देने के लिए एक रणनीतिक मंच के रूप में उभरा है। इसमें 150 से अधिक भागीदारों ने उच्च शैली के परिधानों और नवीनतम डिजाइन के गारमेण्ट प्रस्तुत किए हैं, जो जापानी प्राथमिकताओं और डिजाइन के अनुरूप हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्योग ने जापान के प्रमुख ब्राण्ड यूनीक्लो, एडास्ट्रिया, टोरे, आइटोकिन, ब्रोक जापान, डायसो, वाईकेके, पैगासस आदि के साथ बैठक की हैं।

श्री सेखरी ने कहा कि भारतीय उद्योग जापानी गुणवत्ता और मानदंडों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जापानी उद्योग को फेयर में भाग लेने वाले भागीदारों के साथ जुड़ने और उनसे खरीद की संभावनाओं को पता लगाने तथा भारत की विश्वसनीयता के प्रत्यक्ष अनुभव जानने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि जापानी बाजार के गहरे जुड़ाव के कारण ही भारत-जापान सीईपीए को अधिकतम उपयोग हो पाया है। जापानी बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ रहीं है, जो भारतीय निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता का उदाहरण है। श्री सेखरी के अनुसार वर्ष 2024 में जापान का कुल गारमेण्ट आयात लगभग 23 बिलियन डॉलर का था, लेकिन इसमें भारतीय हिस्सेदारी केवल 234.5 मिलियन डॉलर या केवल एक प्रतिशत ही थी। उन्होंने कहा कि भारतीय गारमेण्ट उद्योग के लिए जापान को निर्यात बढ़ाने के लिए यह स्वर्णिम अवसर है। साथ ही सरकार की विभिन्न सब्सिडी जैसे श्रम और बिजली सब्सिडी आदि सहित सभी सुविधाएं मिलेंगी।

कपड़ा व्यापार की स्थिति सुस्त

मुजफ्फरपुर/ गरीबनाथ बंका

बिहार के कपड़ा व्यापार में मुजफ्फरपुर की अपनी एक अलग पहचान है। यहाँ की सूतापट्टी थोक मण्डी उत्तर बिहार की सबसे बड़ी कपड़ा मण्डी मानी जाती है, जो कई जिलों - जैसे सीतामढ़ी, शिवहर, मोतिहारी, दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर व बेतिया तक व्यापार की धुरी है, लेकिन वित्तीय वर्ष यहाँ की स्थिति उत्साहजनक नही कही जा सकती।

सूतापट्टी मण्डी की स्थिति- सूतापट्टी मण्डी का माहौल इस समय कुछ सुस्त पड़ा हुआ है। लग्न की समाप्ति के बाद कपड़ों की मांग में तीव्र गिरावट आई है। वैवाहिक सीजन में जो उम्मीद की जाती थी, वैसी बिक्री इस बार नहीं हो पाई। व्यापारियों के अनुसार लग्न में भी ग्राहकों ने सीमित खरीददारी की और ब्राण्डेड शोरूम या ऑनलाइन विकल्पों को प्राथमिकता दी, जिससे पारंपरिक दुकानों पर असर पड़ा।

बिक्री और भुगतान की स्थिति- फिलहाल बाजार में बिक्री बेहद कमजोर है। थोक व्यापारी न केवल कम ऑर्डर पा रहे हैं, बल्कि पेमेंट कलेक्शन की स्थिति भी चिंताजनक है। समय पर भुगतान न मिलने के कारण व्यापारियों की पूँजी अटकी हुई है तथा नया माल मंगाने में हिचकिचाहट देखी जा रही है। व्यापारियों में इस को लेकर चिंता और अनिश्चितता है।

परिवहन और लागत का प्रभाव- हाल ही ट्रांसपोर्ट चार्जेस में हुई बढ़ोतरी भी व्यापार की लागत बढ़ा रही है। साथ ही जीएसटी अनुपालन में जटिलताएं छोटे व्यापारियों के लिए अतिरिक्त बोझ बन रही है।

आगे की राह- व्यापारी अब अगस्त और सितंबर में आने वाले त्योहारों पर केंद्रित है। यदि उस समय तक बाजार में सुधार नहीं हुआ, तो छोटे और मध्यम स्तर के व्यापारियों को टिके रहना मुश्किल हो जाएगा। साथ ही बैंकिंग लोन, पेमेंट गारंटी और सरकार की योजनाओं में व्यावहारिक सरलता की जरूरत है।

स्कूल ड्रेस की डिमांड जबरदस्त

ब्यावर/ अनिल डोसी

प्रदेश में बारिश को दौर चल रहा है, जिससे मार्केट में ग्राहकी धीमी गति से चल रही है। अभी स्कूल ड्रेस की ग्राहकी जोरो पर है तथा सभी सरकारी व प्राइवेट स्कूल की ड्रेस, बेल्ट, मोजे, जूते, चुन्नी, टाई, चैक्स व लाइनिंग प्रिंट की ड्रेस चल रही है। स्कूल ड्रेस का कपड़ा मुम्बई, भिवंडी, भीलवाड़ा, सूरत, बालोतरा का कपड़ा बिक रहा है। वैसे ड्रेस मटीरियल, धोती जोड़ा, सलवार सूट, साड़ियां, टेरी रूबिया, फैंसी ब्लाउज पीस रेडीमेड, रोटो, माइक्रो वूली प्रिंट का माल बिक रहा है।

कावड़ यात्रियों की सेवा में जुटे व्यापारी

मुजफ्फरनगर/ अजय कुमार सिंघल

आलोच्य अवधि में मुजफ्फरनगर सहित समूचे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इस समय श्रावण मास में कावड़ यात्रा की धूम मची है। अकेले मुजफ्फरनगर से ही लगभग 5 करोड़ कावड़ यात्रियों के आवागमन का अनुमान है। इस तरह पूरा प्रशासन शासन व्यवस्था को संभालने में लगा हुआ है। इसके अलावा अधिकांश मार्गों पर यातायात प्रतिबंधित कर दिया गया है। व्यापारीगण कावड़ सेवा शिविर लगाकर कावड़ियों की सेवा में जूट गए हैं, जिससे बाजार में ग्राहकी कम है। आगे जुलाई में विभिन्न त्योहारों जैसे हरियाली तीज आदि की तैयारी में व्यापारी जुटे हुए हैं। विशेष रूप से साड़ी, लेडीज सूट, लेडीज फैंसी ड्रेसेस में कामकाज अच्छा रहने का अनुमान है। मुजफ्फरनगर के प्रतिष्ठित व्यापारियों सर्व श्री विनोद डाबर, सुदर्शन खरबंदा, मनोहर लाल ग्रोवर, गुलाटी जी, संजीव गोयल, मनोज गोयल, भंवर लाल, घनश्याम पालीवाल, अमित सिंघल, पवन बत्रा, के पी त्यागी, इंदर सुनेजा, अमृत राठी, लक्ष्मण रस्तोगी, वैभव खन्ना, अशोक छाबड़ा, अज्जू मदान, अनिल नामदेव के अनुसार कामकाज अच्छा रहने की संभावना है। यहाँ के प्रख्यात पूर्व अध्यक्ष श्री अजय कुमार सिंघल ने बताया कि मार्केट के शिव मंदिर प्रांगण में भव्य श्री रामकथा का आयोजन 28 जुलाई से 5 अगस्त तक किया जा रहा है।

आशावादी बने व्यापारी

बरेली/ राजीव अरोड़ा

स्थानीय वस्त्र मण्डी में कपड़े की पॉजीशन अच्छी चल रही है। आजकल बहुत कम व्यापारी बैंक लिमिट से ही व्यापार कर रहे हैं फिर भी पेमेंट में सुधार नहीं है। जिन व्यापारियों ने लिमिट गत वर्षों में दुगुनी कर ली फिर भी पॉजीशन में सुधार नहीं है। बरेली में कई होलसेल व्यापारियों ने उधार माल बेचना कम कर दिया है ताकि पेमेंट में सुधार हो, परंतु पेमेंट की स्थिति विपरीत है। स्थानीय व्यापारी अपने ग्राहकों को पेमेंट की धारा से ही माल बेच रहे हैं।

वस्त्रोद्योग मंत्रालय द्वारा नयी योजनाओं पर पहल शुरू

कोल्हापुर/ राहुल खाड़े

वस्त्रोद्योग क्षेत्र के लिए अलग-अलग योजनाएं चलाए जाने के लिए केंद्रीय वस्त्रोद्योग मंत्रालय की ओर से जानकारी मंगवाई जा रहीं है। इचलकरंजी पावरलूम एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री चंद्रकांत पाटील ने बताया कि पावरलूमधारक ऑनलाइन नामांकन दाखिल कर इसकी जानकारी दे। वस्त्रोद्योग मंत्रालय ने वस्त्रोद्योग आयुक्त के साथ सभी प्रादेशिक कार्यलयों के साथ बैठक में संबंधित खाते की ओर से नई योजनाएं शुरू करने के बारे में बताया। साथ ही केंद्रीय वस्त्रोद्योग मंत्रालय ने इचलकरंजी पावरलूम एसोसिएशन को खत दिया है।

देवशयनी के साथ बाजार में सन्नाटा

उदयपुर/ नवीन कोठारी

श्रावण मास की शुरूआत और उससे पूर्व देवशयनी एकादशी के पश्चात् मांगलिक कार्य पर विराम लग जाता है। वैसे भी बाजार में कोई विशेष ग्राहकी नहीं थी, परंतु अब तो बाजार देवशयनी एकादशी से चार माह तक देवता शयन में रहते हैं, जिस दौरान शादी-विवाह और मांगलिक कार्य वर्जित माने जाते है। अतः अब मांगलिक कार्य आगामी 2 नवंबर को देव उठने के साथ ही प्रारंभ होंगे। वैसे अगले माह रक्षाबंधन पूर्व कई वस्त्र विक्रेता डिस्काउंट सेल लगाते हैं और इस बार भी बाजार में साड़ी विक्रेताओं द्वारा सेल लगायी और कई प्रतिष्ठानों पर डिस्काउंट सेल के होर्डिंग्स के साथ डिजिटल विज्ञापन का सहारा भी लिया जा रहा है। दुकानदारों द्वारा डिजिटल विज्ञापनों का अच्छा अवसर भी देखने को मिल रहा है। स्थानीय ग्राहकों के अलावा आसपास के ग्राहक और फुटकर साड़ी विक्रेता भी उनसे माल खरीदते देखे जा रहे हैं। बाजार में इन दिनों सिर्फ साड़ी प्रतिष्ठानों एवं ब्राण्डेड वस्त्र क्लियरेंस की लगने वाली डिस्काउंट सेल में ही ग्राहकों की भीड़ देखने को मिल रहीं है एवं अन्य वस्त्रों की बिक्री में कमी है। जानकारों के अनुसार रक्षाबंधन के आसपास कुछ दिनों में थोड़ा बहुत उठाव मिलने के आसार है।

वस्त्रोद्योग मशीनरी पर ब्याज अनुदान दिलवाने पर विचार : श्री आवाड़े

कोल्हापुर/ राहुल खाड़े

सामुहिक प्रोत्साहन योजना 2013 और 2019 के तहत दस साल के लिए पुर्तगालियों और व्यापारियों की ओर से आयोजित वस्त्रोद्योग मशीनरी को अब ब्याज अनुदान मिलेगा। इसके लिए इचलकरंजी के विधायक श्री राहुल आवाड़े का प्रयास है। इसके निर्माण के लिए अब उद्योग का विस्तार, आधुनिकीकरण के लिए अनुदान मिलना है। इसके लिए इचलकरंजी पावरलूम एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री चंद्रकांत पटेल की अध्यक्षता में संस्कृति मंडल ने जिला उद्योग केंद्र के महा व्यवस्थापक श्री अजय पटेल से मिलकर इस योजना का लाभ इंजीनियरर्स को दिया जाए ऐसी मांग की थी। इस समय इचलकरंजी पावरलूम एसोसिएशन के उपाध्यक्ष श्री रफीक खानापुरे, लीडर श्री राजाराम गिरी, सीए श्री गौरव गोंडाकर, श्री महेश पोटदार, श्री सुभाष चौगुले, श्री दयानंद छपरे के साथ जिला उद्योग केंद्र के सलाहकार बालाजी बिराजदार उपस्थित थे।

परिषद ने पुरानी व्यवस्था के तहत स्कूल ड्रेस वितरण पर दिया जोर

गोरखपुर/ दीपक कारीवाल

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा परिषदीय स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों के लिए ड्रेस, जूता-मोजा व स्कूल बैग के लिए 1200 रूपए की धनराशि दी जाती है। पहले स्कूलों द्वारा इनकी खरीद कर बच्चों को उपलब्ध कराया जाता था। विगत कुछ वर्षों से प्रत्येक बच्चे के खाते में रूपए डीबीटी के जरिए भेजा जा रहा है। जिसका उपयोग अभिभावकों द्वारा ड्रेस ना खरीदकर अपने अन्य कार्यों में लिया जा रहा है। इस व्यवस्था से गोरखपुर क्षेत्र के प्रोसेस हाउस एवं स्पिनिंग मिलो को काफी नुकसान हो रहा है। गोरखपुर में पावरलूम पर मुख्यतः स्कूल ड्रेस का कपड़ा ही बनता है। हजारों परिवारों की रोजी-रोटी इसी कारोबार से चलती है। कपड़े से ड्रेस की सिलाई करने वाले लघु उद्योग के रूप में घर-घर कार्य करते हैं तथा पावरलूम पर कपड़ा बुनकरों की संख्या हजारों में है। अतः डीबीटी के जरिए खाते में पैसा जाने से ड्रेस की कम खरीद से सभी प्रभावित हुए हैं और इनके प्रभावित होने के कारण उत्पादन में कमी हो गई है। जिसका सीधा असर गोरखपुर को रेडीमेड गारमेण्ट का हब बनाने की विशाल योजना पर भी पड़ रहा है।

स्थानीय टेक्सटाइल इंडस्ट्री संकट में

अतः सुझाव है कि पुरानी व्यवस्था के तहत ड्रेस की खरीद स्कूलों द्वारा ही की जानी चाहिए। साथ ही सुझाव है कि अगर डीबीटी व्यवस्था बंद नहीं की जा सकती तो प्रत्येक 2 साल में ड्रेस का कलर बदल दिया जाना चाहिए, जिससे नये कलर के कारण ड्रेस बनवाना जरूरी हो जाएगा।

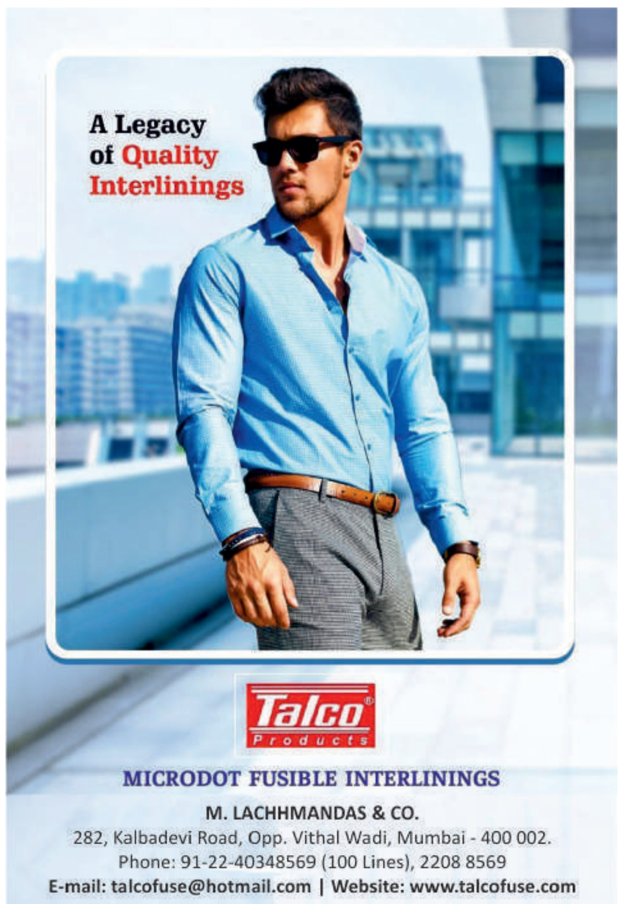

रिमझिम सुहावने मौसम का असर उत्पादन पर

बालोतरा/ लालचंद पुनीत

रिमझिम बरसात ने पूरे क्षेत्र को सुहावना बना दिया। गर्मी का एहसास कम होकर नये वातावरण की अनुभूति होने लगी है। सड़कों पर दृश्यमान इंद्रधनुषी रंगों की चटक मटक अदृश्य हो गई और वीरानी-सी प्रतीत होने लगी। माना कि इससे औद्योगिक उत्पादन अवरुद्ध हो गया और औद्योगिक प्रक्रियाएं जैसे धुपाई, रंगाई, पेंडिंग आदि मौसम की प्रतिकूलता के कारण पूर्ण होने से वंचित है। सूर्य की किरणों की प्रखरता के अभाव में माल सुखना तो दूर उल्टा आर्द्रता का समावेश माल में होने की संभावना रहती है। इन दिनों जो उत्पादक हिम्मत कर उत्पादन लेने को आतुर रहते हैं, उन्हें कदम-कदम पर जोखिम से गुजरना पड़ता है। आम दिनों की अपेक्षा इन दिनों माल के खराब होने की संभावनाएं अधिक रहतीं है। ऐसे प्रतिष्ठान जिन्होंने वर्षा ऋतु में स्टॉक के माल की चलनी तक सीमित रखते हैं तथा बुनकरों की स्थिति को समझते हुए कम उत्पादन का लक्ष्य बना रखा है और ग्रे माल के कम उत्पादन के कारण कई क्वालिटीज जिनका चलन है, उनके भाव में वृद्धि का संकेत स्पष्ट नजर आ रहा है।

पोपलीन की मांग में कोई इजाफा नहीं है, परंतु चंद ब्राण्ड धारक प्रतिष्ठानों के पास ग्राहकी है। पेटीकोट की मांग सीमित बनी हुई है। पौकेटिंग क्लॉथ की डिमांड अच्छी बनी हुई है। ग्रे के भावों में तकनीकी वृद्धि के उपरांत भी उत्पादक पुराने भावो में माल भेज रहे हैं, ताकि उनके व्यापारी बने रहें। नाइटी क्लॉथ में रजवाड़ी की मांग बराबर बनी हुई है। अनुभवी उद्यमियों के अनुसार बाजार की पोजीशन इस माह में ऐसी ही रहेगी, किंतु 15 अगस्त से इसमें सुधार की पर्याप्त संभावना है। उस समय भुगतान संकट से भी राहत मिलेगी और अभी जो श्रमिक समस्या है, उसमें भी भारी राहत की उम्मीद की जा सकती है। वैसे सीजन में पेमेंट की कमी, मजदूरों की आवश्यकता और शिथिल व्यापार की हालत कोई नई बात नहीं है।

संस्कार भारती ने एक सम्मान समारोह आयोजित कर पारंपरिक कलाकार, जो क्षेत्र में ओझल होते जा रहे हैं, उनको जीवंत बनाए रखने में उत्कृष्ट योगदान दे रहे हैं, उनकी अभिशंषा के साथ बहुमान कर प्रेरक अध्याय को जोड़ा। इस अवसर पर कला मर्मज्ञ और बहुमुखी प्रतिभा के धनी व संस्था के अध्यक्ष डूंगर पंवार को भी सम्मानित किया गया।

modella
Since 1965
We Weave Warmth
THE LUXURIOUS
INDIAN TWEED BRAND
ESTD. 1965
CLASSIC VINTAGE
TIMELESS TWEED.
FOR TRADE ENQUIRY : Contact : 82640-40737 | Website : www.modella.in | Email: modellawool@gmail.com

MONTI LINEN
LEGACY OF EXCELLENCE
TESSITURA MONTI INDIA PVT. LTD.
Factory & Registered Office :
Gat No. 147, Village Tamgaon, Post - Sangavde, Tal. Karveer, Kolhapur - Hupari Road, Dist. Kolhapur - 416202. Maharastra. INDIA. Tel. No : +91 231 2682900 Email : info@monti.co.in
Corporate Office :
77, Jodh Towers, 4th Floor, Lalbagh Road, Bengaluru - 560027, INDIA. Tel. No : +91 80 40500288
Email : office@monti.co.in Website : www.monti.co.in
Tessitura Monti India Pvt. Ltd.
BORN IN ITALY 1911
European Flax
Premium linen fibre

रूई बाजार में आई तेजी से भाव मजबूत

मुम्बई/ रमाशंकर पाण्डेय

व्यापारियों और स्पिनरों की रूई में लेवाली जोरदार रही है। रूई में अंडर करेंट दिखाई दे रहा है, क्योंकि कपास की नई आवक अक्टूबर से पहले बाजार में आने की संभावना नहीं है। इतना ही नही इस बार भी उत्पादन कम होने के आसार है। रूई बाजार में अचानक इस तरह की तेजी आने से भाव मजबूत हो गए है। पिछले दो सप्ताह से सीसीआई ने रूई के भाव धीरे-धीरे बढ़ाना शुरू किया था। यह भाव वृद्धि 100 से 300 रू के बीच थी। भाव बढ़ाने के बाद भी रूई की बिकवाली में कोई कमी नही आई है। वर्ष 2024-25 की मार्केटिंग सीजन में सीसीआई ने अभी तक लगभग 67 लाख गांठ से अधिक रूई बेच दी है।

सीजन की शुरूआत से बाजारों में कपास की खरीदी कम होने पर सीसीआई को किसानों से घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 100 लाख गांठ से अधिक की खरीदी करनी पड़ी थी। अब जब बाजार में मांग बढ़ रही है, तो सीसीआई ने एक दिन में छह लाख गांठ तक की बिक्री करने में सफल रहा है। मिलों के लिए सीसीआई की रूई का एक अलग महत्त्व है, क्योंकि एक तो माल मानक के अनुकूल होता है, दूसरा वर्गीकृत एवं प्रेसिंग मार्क से युक्त होता है। अतः इस तरह की रूई पर स्पिनिंग मिलों का भरोसा होता है। यहीं कारण है कि विदेशी रूई सस्ती होने पर भी सीसीआई को माल बेचने में कोई दिक्कत नही हो रहीं है। सीसीआई अपनी कुल खरीदी का लगभग 67 प्रतिशत माल अब तक बेच चुका है।

गुजरात की संकर रूई कपास में तेजी के बाद भी स्थिर था, परंतु अब संकर रूई को लेवाली का समर्थन मिल जाने से भाव बढ़ गए हैं। गुजरात संकर रूई का भाव प्रति खंडी 57200 से 57500 रू के स्तर पर पहुँच गया है। जुलाई महीने में ही रूई के भाव में अब तक 2200 रू और पूरे एक महीने का औसत देखे तो 3400 रू की तेजी आ चुकी है। सीसीआई के भाव बढ़ाने के बाद निजी जिनरों की रूई में भी लेवाली शुरू हो गई है। सीसीआई के पास रूई का स्टॉक बड़ी तेजी से कम हो रहा है और अनुमान है कि अब करीब 33 लाख गांठ रूई शेष है। हाजिर बाजार में रूई का भरपूर स्टॉक नहीं होने के कारण सीसीआई का अधिकांश स्टॉक ऊँचे भाव पर आसानी से बिक रहा है।

जानकारों का कहना है कि बारिश की अनियमितता और अधिकता के कारण कई राज्यों में कपास की बुवाई पर असर पड़ा है। बुवाई की प्रारंभिक रिपोर्ट में कई राज्यों में कपास की बुवाई कम होने का अंदेशा है। एक अनुमान के अनुसार देशभर में कपास की बुवाई 92.83 लाख हेक्टेयर में हो चुकी है, जो पिछ्ले वर्ष 95.22 लाख हेक्टेयर में हुई थी। इस तरह से देखा जाए तो अभी तक कपास की बुवाई का रकबा करीब 2.39 लाख हेक्टेयर कम है। दूसरा देश में कपास की खडी फसल में रोगों के हमलों की शिकायतें भी आती रहती है तथा विदेशों की तुलना भारत में प्रति हेक्टेयर कपास की उत्पादकता कम होती है, इसलिए कपास एवं रूई को लेकर अनिश्चितता रही है।

Available at all the leading retail outlets across the country. For trade/ corporate enquiries, contact: 022-68330500.

PICASSO
by BAIRD Cotton
Picasso presents fine digital prints in
SUPER LUXURY COTTON
For Agent/Dealer enquiries, reach us at: Call: +91 9340605633 | Whatsapp: +91 9992514747 | Write to: helloburgoyne@bairdlinen.com
AVAILABLE AT ALL LEADING RETAIL OUTLETS | Follow us on /@bairdcottonofficial | /@bairdcotton_official | www.bairdcotton.com
Burgoyne & BAIRD Cotton are registered trademarks of WFB BAIRD & COMPANY (INDIA) PVT. LTD.
HOUSE OF BURGOYNE IRELAND

Say it with colour
BURGOYNE
THE ORIGINAL LINEN
ESTD. 1912
From the makers of world's finest Irish Linen,
a collection of premium fabric and apparel
Shop online at: www.burgoynestore.com
For Retail Franchise store enquiries, reach us at: Call: +91 9340605633 | Whatsapp: +91 9992514747
Write to: helloburgoyne@bairdlinen.com | AVAILABLE AT ALL LEADING RETAIL OUTLETS
Follow us on /@Burgoyneindia | /@Burgoyneindiaofficial | www.burgoyne.co
Burgoyne & BAIRD Cotton are registered trademarks of WFB BAIRD & COMPANY (INDIA) PVT. LTD.
HOUSE OF BURGOYNE IRELAND
ESTD. 1912

भाव वृद्धि के बावजूद सीसीआई कॉटन की मांग

व्यापारियों द्वारा अच्छी खरीद : स्टॉक 25 लाख गांठ के लगभग

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

बाजार में स्टॉक कम होने और देश में बुआई घटने के समाचारों के चलते कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया यानि सीसीआई द्वारा भाव वृद्धि के बावजूद इसकी कॉटन में भारी मांग बनी हुई है तथा प्राप्त आंकड़ों के अनुसार मिलों की तुलना में व्यापारी अधिक मात्रा में कॉटन की खरीद कर रहे हैं तथा एक अनुमान के अनुसार सरकारी एजेंसी गत सप्ताह तक लगभग 75 लाख गांठ (प्रति गांठ 170 किलो) मिलों और व्यापारियों को बेच चुकी है। उल्लेखनीय है कि सीसीआई ने एक अक्टूबर से आरंभ हुए कॉटन वर्ष 2024-25 के दौरान 100 गांठ कॉटन की खरीद की थी जो कुल आवक का लगभग 33 प्रतिशत भाग है, क्योंकि मिलों की मांग कम होने से मण्डियों में भाव सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से नीचे चल रहे थे। जानकारों का कहना है कि गत माह तक सीसीआई ने अधिक स्टॉक को देखते हुए दैनिक नीलामी में कॉटन के भाव कम कर दिए, लेकिन अब लगातार भाव बढ़ा रही है तथा मिलें और व्यापारी सीसीआई द्वारा निर्धारित न्यूनतम भाव से अधिक की बोली लगा रहे हैं। जुलाई में अब तक सीसीआई ने कई बार भाव वृद्धि की है, लेकिन इसके बावजूद मिलों और व्यापारियों ने न्यूनतम भाव से बढ़ाकर खरीदी की है।

जानकारों का कहना है कि सीसीआई द्वारा लगभग 100 लाख गांठ कॉटन की खरीद किए जाने के बाद अधिकांश स्टॉक उसके हाथों में चला गया और अब आवक भी घटती जा रही है। दूसरी ओर मिलों के पास यार्न और कॉटन का स्टॉक सीमित है तथा आगामी दिनों में यार्न की मांग आने की आशा से मिलों के पास सीसीआई से अधिक भाव देकर खरीद करने के अतिरिक्त कोई चारा नहीं है। व्यापारियों को आशा है आगामी दिनों में मिलों की मांग के साथ ही निर्यात के लिए कॉटन यार्न की मांग आने से भाव और बढ़ सकते हैं।

स्टॉक- जानकारों का कहना है कि सीसीआई ने लगभग 100 लाख गांठ कॉटन की खरीद की थी और इसमें से लगभग 75 लाख गांठ बेचने के बाद अब उसके पास 25 लाख गांठ का स्टॉक होने का अनुमान है। इनका कहना है कि वर्ष 2023-24 की कॉटन का स्टॉक लगभग समाप्त हो चुका है।

कम बुआई- इस वर्ष देश में कॉटन की बुआई 11 जुलाई तक लगभग 92.8 3 लाख हेक्टेयर हो चुकी है, जो गत वर्ष की इसी अवधि 2.39 लाख हेक्टेयर कम थी। गत वर्ष इस अवधि में 95.22 लाख हेक्टेयर पर बुआई हो चुकी थी।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष हरियाणा और राजस्थान में बुआई कम होने के अनुमान हैं, जबकि पंजाब में कुछ सुधार हुआ है। जानकारों का कहना है कि उत्तरी भारत में बुआई कम हुई और व्यापारियों का मानना है कि सरकार द्वारा कॉटन के न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने के बावजूद क्षेत्रफल में किसी खास वृद्धि की संभावना नहीं है। बुआई लगभग गत वर्ष के समान ही रहने का अनुमान है।

देश में वर्ष 2024-25 के दौरान कॉटन का क्षेत्रफल पूर्व वर्ष की तुलना में घटकर 113.6 लाख हेक्टेयर रह गया था। देश में कॉटन का औसत क्षेत्रफल 129.5 लाख हेक्टेयर है। जानकारों का कहना है कि इस वर्ष भी क्षेत्रफल इस स्तर के आसपास नही पहुँच पाएगा।

भाव- व्यापारियों का कहना है कि गुजरात में कॉटन के भाव बढ़कर लगभग 57,500 रूपए प्रति खंडी (356 किलो) के स्तर पर पहुँच गए हैं। जानकारों का मानना है कि भाव नई फसल आने तक मजबूत रहने का अनुमान है।

न्यूयार्क - इसी बीच 18 जुलाई को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान न्यूयार्क में दिसम्बर वायदा में लगभग दो पखवाड़े के बाद सुधार का रूख रहा और बढ़कर 68.8 सेंट पर बंद हुआ। मार्च वायदा काफी समय के बाद 70 सेंट का स्तर पार करके 70.08 सेंट पर बंद हुआ।

यार्न महंगा होने से कॉटन कपड़ों के भाव बढ़ने की संभावना

मुम्बई/ रमाशंकर पाण्डेय..

मानसून के जोर पकड़ने, ट्रम्प सरकार की टैरिफ नीतियों के कारण वैश्विक परिदृश्य में अनिश्चितता रहने, रूई के भाव में तेजी आने से कॉटन यार्न की मजबूती के बाद तैयार कपड़ों के भाव बढ़ने की संभावना और उत्पादन कम होने से मार्केट्स में पाइपलाइन खाली होने से त्योहारी सीजन में विशेषकर देसावरों में कारोबार अच्छा होने की धारणा से कपड़ा बाजार सुस्त होने के बावजूद नये उत्पादों के प्रति कपड़ा कारोबारियों में हलचल बढ़नी शुरू हो गई है। मुम्बई में 14 से 16 जुलाई तक क्लोदिंग मैन्यूफेक्चरर्स एसोसिएशन के नेशनल गारमेण्ट फेयर के हुए आयोजन से बाजार का रूख बदल सकता है।

कॉटन सूती कपड़ों के साथ सिंथेटिक कपड़ों का उत्पादन कम हो गया है। भिवंडी में ग्रे कपड़ों का उत्पादन सबसे अधिक घटा है। अतः कॉटन यार्न के भाव बढ़ रहे हैं और कपड़ों की मांग नही होने से भाव स्थिर है। क्रूड तेल नरम पड़ने के बाद सिंथेटिक्स यार्न के भाव में तेजी का बुलबुला थम गया है, परंतु रूई के भाव में जिस तरह की तेजी अब देखी जा रहीं है, इसके चलते आगामी दिनों में तैयार कपड़ों के भाव बढ़ने की संभावना है। रूई में अब तक करीब 3000 रू गांठ की तेजी आने से कॉटन यार्न के और महंगा होने की आशंका को बल मिल रहा है। वर्ष 2021-22 में जब रूई में जबरदस्त तेजी आई तब कॉटन यार्न के भाव में भारी उछाल आया और उसके बाद कपड़ों की लागत में वृद्धि को ग्राहकों पर डाल दिया गया। पिछले दो से ढ़ाई वर्षो में रूई के भाव पर दबाव तो बना रहा, लेकिन न तो रूई और न ही कपड़ों के भाव घटे थे। जानकारों का मानना है कि त्योहारी सीजन में कपडों की मांग निकलते ही कम उत्पादन और कॉटन यार्न की तेजी का हवाला देते हुए तैयार कपड़ों के भाव बढ़ाने के लिए उत्पादकों में झटपटाहट दिखाई देगी और कपड़ों के भाव पाँच से दस प्रतिशत तक बढ़ सकते हैं। जहाँ तैयार वस्त्रों का विदेशी बाजारों में निर्यात निरंतर बढ़ रहा है, वहीं पावरलूम इकाइयों में कपड़ों का उत्पादन कम क्षमता पर हो रहा है। बाजार में कपड़ों की उन्नत डिजाइंस और नवीन पैटर्न की ओर बाजार का रूख है, वहीं मिलों की स्थिति ठीक इसके विपरीत है। प्रमोशनल स्कीमों के बल पर मिलों को आगामी सीजन के लिए अच्छी बुकिंग मिल रहीं है। मिलों में कपड़ों का उत्पादन अपनी क्षमता पर होने के कारण तैयार कपड़ों की कमी नही है। नई वैरायटी के लिए नये ऑर्डर मिलों को मिल रहे हैं। मिलों की सूटिंग-शर्टिंग में ऑफ सीजन में अच्छी बुकिंग मिलने की रिपोर्ट है और बाजार अच्छा चलने का संकेत है। साड़ियों में महाराष्ट्र की ग्राहकी शुरू हो गई है। साड़ियों में जॉर्जेट, क्रैप सिल्क, साटीन और जैकार्ड जैसी वैरायटी की पूछताछ बढ़ी है। सूरत की साड़ियों में साउथ और कोलकाता की ग्राहकी पहले से थी और अब महाराष्ट्र की शुरू होने से नये कैटलॉग बनाने पर जोर दिया जा रहा है। साड़ियों में कारोबार अधिकतर कैटलॉग आधारित हो गया है। ड्रेस मटीरियल की मांग देर से शुरू होती थी, लेकिन इस बार अभी से सुगबुगाहट बढ़ने लगी है। यद्यपि मुम्बई की तुलना में सूरत बाजार की स्थिति अच्छी है। यहाँ कपड़ों का उत्पादन अच्छी क्षमता पर हो रहा है और प्रोसेसिंग कामकाज ठीक है। देसावरों की पुरानी उधारी भी उतरनी शुरू हो गई है।

भारत के कपड़ा उद्योग को निर्यात कारोबार से अधिक उम्मीद है। निर्यात में कारोबार जिस तरह से अच्छा होने लगा है, उससे लगता है कि आगे स्थानीय कमजोर मांग का बहुत अधिक असर फिनिश कपड़ों के कारोबार पर नहीं होगा। बांग्लादेश पर अमेरिका में टैरिफ बढ़ाकर लगाने से भारत से गारमेण्ट के निर्यात में भारी वृद्धि होने का अनुमान है। साथ ही भारत और यूके के बीच मुक्त व्यापार समझौता के चलते यूके में भारत को चीन की तुलना में शुल्क के मामले में करीब 9.6 प्रतिशत का फायदा होगा, इस कारण यूके में भारत से गारमेण्ट का निर्यात जो अभी 6 प्रतिशत है, वह दोगुना 12 प्रतिशत तक हो सकता है। भारतीय निर्यातकों को बाजार विविधीकरण की ओर ध्यान देना होगा। यदि भारत को घटे हुए ट-ैरिफ के मामले में सफलता मिलती है तो भारत से निर्यात कई गुना बढ़ सकता है, लेकिन दूसरा पहलू यह भी है कि अमेरिका यदि वियतनाम के लिए अपनी टैरिफ दर कम करता है और भारत के लिए दर यथावत रखता है, तो इस लाभ के धुल जाने की संभावना अधिक है। हाल ही भारत के निर्यात पर औसतन 10 प्रतिशत टैरिफ लगता है, परंतु कुछ वस्तुओं पर यह 26 प्रतिशत तक है। टेक्सटाइल को छूट देने के लिए बातचीत चालू है। अमेरिका भारत का सबसे बडा व्यापारिक साझीदार है फिर भी यार्न और फैब्रिक्स के भाव में चंचलता रह सकती है।

कुंभलगढ़ में अनोखे फैशन का उत्सव

जिंदल वर्ल्डवाइड लिमिटेड की ऑल इंडिया सेल्स कॉन्फ्रेंस में Linen Grazia और Riccora ब्राण्ड्स की भव्य प्रस्तुति

अहमदाबाद/ भारत के प्रमुख टेक्सटाइल समूहों में से एक 'जिंदल वर्ल्डवाइड लिमिटेड' ने 3 और 4 जुलाई को कुंभलगढ़ स्थित प्रतिष्ठित द एवरेस्ट हिल रिजॉर्ट में Wholesale Club Booking 2025 के अंतर्गत एक भव्य ऑल इंडिया सेल्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। देशभर से आए डीलर्स और व्यापारिक साझेदारों ने कम्पनी के प्रमुख रिटेल ब्राण्ड्स –Linen Grazia और Riccora के शानदार नए कलेक्शन का अनावरण देखा। डीलरों ने केवल नए कलेक्शन की सराहना ही नहीं की, बल्कि बड़े पैमाने पर ऑर्डर भी दिए, जिससे यह सम्मेलन एक शानदार व्यावसायिक सफलता बन गया।

उद्घाटन समारोह : कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन श्री अविनाश पटेल (प्रेसिडेंट – मार्केटिंग) ने किया, जिसके बाद गणेश पूजन और दीप प्रज्वलन संपन्न हुआ। इस आयोजन में सम्मानित सेल्स पार्टनर्स, ग्राहक और रिटेल टीम की गरिमामयी उपस्थिति रही।

श्री अविनाश पटेल (प्रेसिडेंट मार्केटिंग)

Linen Grazia
LUXURY EUROPEAN FABRIC

LINEN GRAZIA: यूरोपीय लिनन की गरिमा का प्रतीक

Linen Grazia ने अपने प्रभावशाली और विविध संग्रह से फैब्रिक प्रेमियों को मोहित कर लिया, जिसमें यूरोपीय गुणवत्ता वाला लिनन, सॉलिड प्लेन रंग, टिकाऊ सफेद कपड़े, डिजिटल प्रिंट डिजाइन, फैशन-फॉर्मल और कैजुअल शर्टिंग एवं सूटिंग का संतुलित मिश्रण, पुरुषों और महिलाओं के लिए उपयुक्त यूनिसेक्स फैब्रिक्स शामिल है।

Riccora
THE JOY OF LUXURY

RICCORA: कॉटन पर एक आधुनिक दृष्टिकोण

Riccora ने युवाओं को ध्यान में रखकर अपनी जीवंत नई शर्टिंग कलेक्शन पेश की, जिसमें शामिल -गीजा कॉटन, सुपीमा कॉटन, 100 प्रतिशत प्रीमियम कॉटन शर्टिंग फैब्रिक्स, प्लेन शेड्स, क्लासिक व्हाइट्स और आकर्षक डिजिटल प्रिंट्स का सुंदर मेल है।

श्री रवि पांडे (रिटेल बिजनेस हेड)

ग्राहक प्रतिक्रियाएं : Wholesale Club Booking – 2025

- 'यह सम्मेलन केवल फैब्रिक पर केंद्रित नहीं था, यह एक संपूर्ण अनुभव था। Linen Grazia की यूरोपीय गुणवत्ता मेरी दुकान के लिए गेमचेंजर है।' **– एच.पी. सिंह, दिल्ली**
- Riccora की सुपीमा और गीजा कॉटन रेंज एकदम प्रीमियम है। मेरे युवा ग्राहक इसे बेहद पसंद करेंगे।' **– बी. अरविंद कुमार, मुम्बई**
- 'स्थान, कलेक्शन और आतिथ्य हर चीज बेमिसाल थी। इस आयोजन के लिए जिंदल की रिटेल टीम को बधाई।' **– नेशनल टेक्सटाइल्स, भटिंडा**
- 'मेरी बुकिंग उम्मीद से कहीं ज्यादा रही। दोनों ब्राण्ड्स के डिजाइन, प्रिंट और रंग ट्रेंड में हैं।' **– पी. राजेंद्र कुमार, इंदौर**
- 'यूनिसेक्स फैब्रिक रेंज ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया, ऐसा विकल्प जो पुरुष और महिला दोनों को पसंद आए।' **– अग्रवाल टेक्सटाइल एजेंसी, बरेली**
- 'मैंने कई फैब्रिक इवेंट्स में भाग लिया है, लेकिन यह आयोजन पेशेवरता और उत्पाद गुणवत्ता में सबसे अलग रहा।' **– वरुण ट्रेडर्स, दिल्ली**
- 'डिजिटल डेनिम और एथनिक प्रिंट्स एक सुखद आश्चर्य थे। ये हमारे ग्राहकों को नया इंडो-वेस्टर्न लुक देंगे।' **– अरिहंत टेक्सटाइल्स, रतलाम**
- 'श्री अविनाश पटेल और श्री रवि पांडे नेतृत्व आयोजन का के हर हिस्से में झलकता रहा।' **– कल्पतरु टेक्सटाइल, अहमदाबाद**
- 'इस आयोजन के बाद इन ब्राण्ड्स पर मेरा विश्वास बहुत गहरा हो गया है। Linen Grazia और Riccora के साथ व्यापार बढ़ाने को लेकर उत्साहित हूँ।' **– LYF लाइफस्टाइल, मुम्बई**
- 'यह केवल एक सम्मेलन नहीं था, यह फैशन और फैब्रिक का उत्सव था। साथी डीलर्स से नेटवर्किंग ने इसे और भी मूल्यवान बना दिया।' **– सोमानी फैब्रिक्स, भीलवाड़ा**

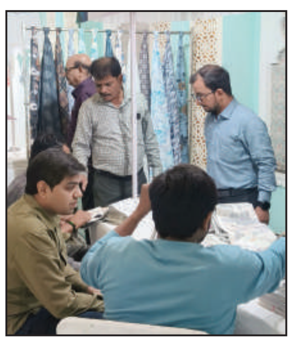

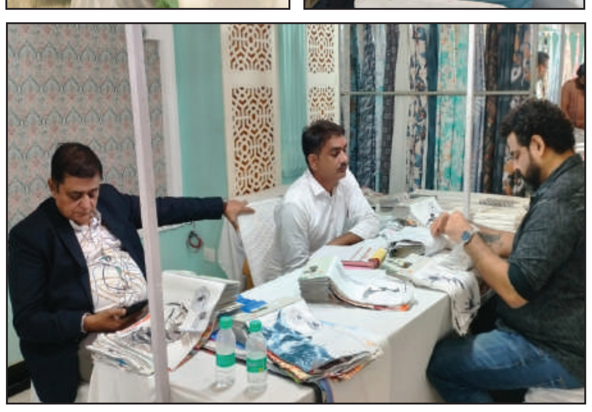

Linen Grazia और Riccora : रिटेल फैब्रिक का नया चेहरा

- OTC (ओवर-द-काउंटर) रिटेल सेगमेंट के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए इन ब्राण्ड्स ने अपनी श्रेष्ठ गुणवत्ता, इनोवेटिव डिजाइनों और फैशन-फॉरवर्ड अपील के चलते बाजार में तेजी से मजबूत पकड़ बना ली है। दोनों ब्राण्ड्स पुरुषों और महिलाओं के सभी आयु वर्गों के लिए उपयुक्त डिजाइनों की विविधता पेश करते हैं। Linen Grazia जहाँ परिष्कृत यूरोपीय गुणवत्ता का प्रतीक है, वहीं Riccora आधुनिक ट्रेंड प्रेमी ग्राहकों के लिए प्रीमियम कॉटन विकल्प उपलब्ध कराता है।
- **डेनिम और एथनिक फैब्रिक्स : युवाओं के लिए आकर्षण का केंद्र** – इस आयोजन में युवाओं के लिए डिजाइन किए गए डिजिटल प्रिंटेड डेनिम कलेक्शन का भी प्रदर्शन किया गया। साथ ही कुर्ता, जैकेट और इंडो-वेस्टर्न पोशाकों के लिए उपयुक्त एथनिक डिजिटल प्रिंट फैब्रिक्स ने भी प्रतिभागियों को खूब आकर्षित किया।
- **नेतृत्व और टीमवर्क : सफलता के आधार स्तंभ** – इस आयोजन की सफलता का श्रेय श्री अविनाश पटेल (प्रेसिडेंट मार्केटिंग), श्री रवि पांडे (रिटेल बिजनेस हेड) को जाता है। इनकी सूक्ष्म योजना, रणनीतिक उत्पाद चयन और सटीक निष्पादन ने इस आयोजन को एक नई ऊँचाई दी।
- **टीम सदस्य** – श्री विक्रांत कुमार, श्री दिव्येश पटेल, श्रीमती येशा पटेल, श्री गोपाल शर्मा, श्री विजय पाल, श्री कमल खंडेलवाल, श्री अंकुर बरनवाल, श्री दीपक सिंह, श्रीमती जान्हवी फुर्सुले, श्री निशिकांत शिंदे, श्री लक्ष्मण कावले, श्री टिंकश सभी ने अतिथियों का स्वागत अत्यंत गर्मजोशी और प्रोफेशनल अंदाज में किया और इस सम्मेलन को यादगार बना दिया। इस अविस्मरणीय आयोजन के माध्यम से 'जिंदल वर्ल्डवाइड लिमिटेड' ने न केवल भारतीय रिटेल टेक्सटाइल बाजार में अपनी उपस्थिति को और मजबूत किया, बल्कि फैशन प्रेमी ग्राहकों के दिल भी जीत लिए। इस सफलता का विशेष श्रेय श्री अविनाश पटेल (प्रेसिडेंट मार्केटिंग), श्री रवि पांडे (रिटेल बिजनेस हेड)और पूरी टीम को, जिनकी प्रतिबद्धता और त्रुटिहीन निष्पादन ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।
- **सेल्स पार्टनर्स** – श्री अतीन अग्रवाल, श्री पवन राव, श्री संजीव पाठक, श्री यशवंत, श्री अम्बरीश, श्री अरविंद पटेल, श्री चंदर भाटिया ने Denim Story श्रेणी की विशेष रूप से प्रशंसा की, जिसे ग्राहकों से शानदार प्रतिक्रिया और अच्छी बुकिंग प्राप्त हुई।
- **अविस्मरणीय अनुभव** – लक्जरी लोकेशन, उत्कृष्ट आतिथ्य, दर्शनीय स्थलों की सैर, नेटवर्किंग और व्यावसायिक तालमेल के साथ यह आयोजन सभी प्रतिभागियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बन गया। द एवरेस्ट हिल रिजॉर्ट की पाँच सितारा सुविधाओं के बीच उपस्थित सभी मेहमानों ने इस सम्मेलन का भरपूर आनंद लिया।

CMAI's 81st National Garment Fair Opens with Strong Business Sentiment Ahead of Festive Season, Showcasing Women's and Men's Wear

Mumbai/ The 81st National Garment Fair (NGF) - Women' and Men's wear edition, organised by the **Clothing Manufacturers Association of India (CMAI),** has been officially inaugurated by leading pan India retail stalwarts collectively representing 70 retail stores.

The Guests of Honour who inaugurated the trade show included from across India including Siddharth Jalan of Sohum Shoppe (Guwahati), Sathish Gurram of GV Mall (Khammam), Kiran Vora of Asopalav (Ahmedabad), Manzoor Husain Gori of Pakiza Retails (Indore), Mrunal Bankapur of B S Channabasappa & Sons (Karnataka), Satish Mantri of Shree Shivam Attire (Indore), Sanjay Agarwal of Sanjay Textile Store (Jaipur), and Dharamshi Champshi Chheda of Rajwadi Emporium India (Valsad).

During the inauguration, **Mrunal Bankapur, BS Channabasappa & Sons,** said, "I am happy to be a part of this event that brings all of us together. With 20,000 potential buyers, this marks a significant step forward for the growth of our garment industry. Whenever someone asks me how to enter the clothing industry, I always tell them to come to NGF, whatever their need, they'll find the right vendors here to help."

Further, **Sanjay Agarwal of Sanjay Textile Store,** stated, "I am grateful to CMAI for its constant support whether it's addressing government-related issues, VAT, GST, or contributing to the overall growth of the garment industry."

Kiran Vora, Asopalav expressed that he has been visiting the Fair for the past 32 years and as a retailer it saves him ample amount of time and effort to source as the latest variety is all available under one roof at the NGF. CMAI does this wonderful job of bringing the entire industry together.

Taking place from **July 14 to 16, 2025,** the NGF serves as one of the most prominent platforms for the Indian apparel industry bringing together manufacturers, retailers, designers, and fashion professionals to explore emerging trends and unlock new business opportunities.

This edition spans a total area of over **37,000 sqm,** including **15,300+ sqm for Men's Wear, 21,200+ sqm for Women's Wear, and 680 sqm dedicated to Accessories.** Featuring more than 800 menswear and womenswear brands and over 40 accessory labels, the Fair is expected to attract upwards of **20,000** buyers from across the country.

Reflecting on the current landscape of the industry, **Santosh Katariya, President, CMAI said:**

"India's apparel market is witnessing strong, sustained growth projected to reach US$146 billion by 2029. This transformation is driven not just by rising incomes and urbanisation, but by a fundamental shift in consumer behaviour. Fashion today goes beyond function; it's a vehicle for self-expression, social mobility, and digital identity. As demand for branded and occasion-specific clothing rises, the industry must respond with innovation, agility, and a deeper understanding of evolving aspirations."

Rohit Munjal, Chairman of CMAI's Fair Committee, stated, "The Women's and Men's Wear Edition of the National Garment Fair has firmly established itself as a powerhouse platform within the industry. With an outstanding lineup of exhibitors, this edition is shaping up to be one of the most impactful yet. The overwhelming response with stalls selling out quickly and a growing waitlist reflects the rising prominence of these segments and the Fair's continued relevance."

Speaking on broader industry trends, **Mr. Anand Chokshi, Joint Chairman, Fair Sub-Committee, CMAI,** said, "We are observing an evolution in India's apparel at the intersection of tradition and innovation. While menswear leans toward functionality and womenswear remains occasion-led, growth is being shaped by digital adoption, tier-2 market expansion, and rising demand for sustainability and personalization. The future will favour brands that blend cultural relevance with innovation across both consumer and institutional segments."

CMAI warmly invites all members of the fashion retail ecosystem to join this landmark edition and experience first-hand the dynamic transformation of the Indian apparel industry.

About CMAI

The Clothing Manufacturers Association of India (CMAI) is the most representative association of the Indian apparel industry having over 5,000 members and serving more than 35,000 Retailers. Its Membership consists of Manufacturers, Exporters, Brands, and ancillary industry. CMAI advocates regarding policies and also guides and encourages its members on ESG related matters and initiatives. In 2019, CMAI launched the SU.RE initiative to encourage members to embrace sustainability.

Established over sixty years ago, CMAI has contributed immensely towards development of the industry. In 1978, CMAI had led the creation of the Apparel Export Promotion Council (AEPC). CMAI is also authorised by the Government of India to issue Certificate of Origin (Non-Preferential) to Exporters. CMAI is the only Indian Association that represents the entire Indian Apparel Industry & Trade on prestigious international forums such as International Apparel Federation (IAF) headquartered in Netherlands.

SGS की मेगा कॉन्फ्रेंस 2025 में देशभर से परिवार सहित व्यापारियों ने लिया भाग

कुल्लू-मनाली में 8 जुलाई से 7 अगस्त तक बुकिंग

कुल्लू-मनाली/ हिमाचल प्रदेश की खुबसूरत वादियो में परिवार सहित आनंद लेने का मौका इस वर्ष टेक्सटाइल एवं अपेरल ब्राण्ड एसजीएस ने अपने व्यापारियों को दिया। भरोसे की परंपरा का निर्वाह करते हुए एसजीएस ने हमेशा अपने व्यापारियों के लिए अनेक बेहतरीन जगहों पर कॉन्फ्रेंस की है। इसी कड़ी में इस वर्ष कम्पनी द्वारा कुल्लू-मनाली के पाँच सितारा रिवर ग्रैंड एवं मनाली इन होटल्स में मेगा कॉन्फ्रेंस 8 जुलाई से अनवरत 7 अगस्त 2025 तक चलेगी। इस कॉन्फ्रेंस में देशभर के व्यापारी सपरिवार पहुँचकर एक आत्मीय माहौल में जोश एवं उत्साह के साथ बुकिंग करा रहे हैं।

भरोसे की परम्परा
SGS®
SUITING • SHIRTING

इस वर्ष कम्पनी द्वारा अपने डिजिटल ट्रेड पर कार्य करते हुए यार्न से लेकर फिनिश तक की पूरी उत्पादन प्रक्रिया की वीडियो बनाकर सभी व्यापारियों के साथ साक्षा की गई, जो कम्पनी की कार्यकुशलता, तकनीक, गुणवत्ता एवं दूरदर्शिता को दर्शाती है, जो एसजीएस एवं व्यापारियों की प्रगाढ़ता को बढ़ाती है।

टॉप टेन अवॉर्ड से सम्मानित- कम्पनी के डायरेक्टर श्री किशोर राठी ने बताया कि इस मेगा कॉन्फ्रेंस के दौरान हर ग्रुप से 129 थान या उससे अधिक की बुकिंग कराने वाले तीन विशिष्ट व्यापारियों को मंच पर सम्मानित किया जा रहा है, जिससे उनकी मेहनत एवं कार्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को मंच पर सराहा जा सके। कम्पनी द्वारा व्यापारियों को प्रोत्साहित करने के लिए स्पॉट बुकिंग स्कीम भी दी गई है।

नये डवलपमेण्ट की विस्तृत रेंज का भव्य डिस्प्ले- इस मेगा कॉन्फ्रेंस में कम्पनी द्वारा अनेक डवलपमेंट पेश किए गए, जिसमें इम्पोर्टेड यार्न से निर्मित फाइन क्वालिटी में रॉयल टीआर, टेसिनी में रॉयल्टी एवं जगुआर, टीआर पोली विस्कोस, पोली विस्कोस लाइक्रा व 4 वे लाइक्रा, टेसीनी ब्राण्ड में अनेक नयी क्वालिटियां, शर्टिंग फैब्रिक की विशेष रेंज भी डिस्प्ले की गई जो व्यापारियों को खूब पसंद आई है। साथ ही जोड़ी पैकिंग में सफारी, पेपर बॉक्स जो उपभोक्ताओं को काफी आकर्षित करता है। कम्पनी द्वारा बेलीनी ब्राण्ड में 100 प्रतिशत कॉटन, कॉटन लिनन, ब्लैंडेड कॉटन और रेयॉन जैसी प्रीमियम शर्टिंग रेंज का भव्य डिस्प्ले किया गया जिसे जमकर बुकिंग मिली। कम्पनी के रेडीमेड गारमेण्ट ब्राण्ड जोड माइनर बाजार में तेजी से अपने कदम बढ़ा रहा है। वर्तमान में यह तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, बंगाल, उड़ीसा, महाराष्ट्र और राजस्थान में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है।

सम्पादकीय....

अहमदाबाद विमान हादसे की रिपोर्ट पर उठ रहे सवाल, सवाल खड़े करने वाली जांच

अहमदाबाद विमान दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट इसलिए विश्वसनीय नहीं जान पड़ती, क्योंकि उसके जरिये यह बताने की कोशिश की गई है कि कहीं न कहीं पायलटों से गलती हुई। आखिर इतने अनुभवी पायलट फ्यूल का स्विच ऑफ करने की गंभीर गलती कैसे कर सकते हैं? इस गलती को रोकने के तो कई उपाय होते हैं। अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट दिल दहलाने वाली हवाई दुर्घटना के संभावित कारणों के जवाब कम दे रही है, सवाल अधिक खड़े कर रही है। समझना कठिन है कि इस प्रारंभिक जांच रिपोर्ट को सुविचारित तरीके से क्यों नहीं जारी किया गया? किसी रिपोर्ट को रात ढाई-तीन बजे जारी करने का क्या औचित्य?

प्रश्न यह भी है कि इस अधकचरी सी रिपोर्ट को जारी करना कितना आवश्यक था। यदि किसी कारण आवश्यक भी था तो यह क्यों नहीं स्पष्ट किया गया कि इसके आधार पर किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जाना चाहिए और किसी ठोस नतीजे पर पहुँचने के लिए अन्य जांच रिपोर्ट की प्रतीक्षा की जानी चाहिए?

इतने बड़े विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट कामचलाऊ रवैया समझ से परे है। इसके बाद भी परे है कि विमान दुर्घटना के कारणों को सामने लाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रतिबद्धता जताने का यह कोई तरीका नहीं होता। अहमदाबाद विमान दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट इसलिए विश्वसनीय नहीं जान पड़ती, क्योंकि उसके जरिये यह बताने की कोशिश की गई है कि कहीं न कहीं पायलटों से गलती हुई। आखिर इतने अनुभवी पायलट फ्यूल का स्विच ऑफ करने की गंभीर गलती कैसे कर सकते हैं? इस गलती को रोकने के तो कई उपाय होते हैं। पायलटों की बातचीत के विवरण से भी यही संकेत मिलता है कि 250 से अधिक लोगों की जान लेने वाले विमान के इंजन संभवतः किसी तकनीकी खामी से अचानक बंद हो गए।

कहीं ऐसा तो नहीं कि विमान हादसे की प्रारंभिक जांच करने वाले विमान निर्माता कंपनी बोइंग को संदेह के दायरे से बाहर रखना चाहते थे? इस अंदेशे का एक कारण यह है कि अतीत में बोइंग पर ऐसे आरोप लग चुके हैं कि उसने अपने कई विमानों के निर्माण के दौरान उनके सुरक्षित संचालन उपायों की अनदेखी करना पसंद किया। ऐसे आरोप खुद इस कंपनी के कर्मचारियों ने लगाए थे। अच्छा यह हो कि भारत सरकार अहमदाबाद विमान हादसे के मूल कारणों की तह तक जाने के हर संभव उपाय करे। उसे यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस विमान दुर्घटना में जाने-अनजाने जिसने भी गलती की हो, उसका नाम सामने आए। कोई बचने-छिपने न पाए। यह ठीक नहीं कि विदेशी मीडिया का एक हिस्सा अहमदाबाद विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के शरारत भरे निष्कर्ष निकाल रहा है।

यदि वह ऐसा कर पा रहा है तो हवाई दुर्घटना की आधी-अधूरी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के कारण। यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि भारत सरकार और उसकी एजेंसियों के साथ एअर इंडिया प्रबंधन भी यह देखे कि विमान हादसे का पूरा और सही सच कैसे सामने आए। यह भारत की प्रतिष्ठा और विमान यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ा मामला है।

कुछ नया, कुछ अलग •

आत्मा और परमात्मा के बीच का सेतु यानि गुरू

नमस्ते मित्रों,

वैदिक काल से जुड़ा एक प्रचलित प्रसंग है। एक घने जंगल में रत्नाकर नामक एक खूंखार डाकू रहता था। रत्नाकर अपने परिवार के पालन, पोषण के लिए जंगल से गुजरने वाले राहगीरों को लुटता था। एक दिन उसी निर्जन वन से देवर्षि नारद मुनि गुजर रहे थे। रत्नाकर से सामना होते ही नारद मुनि ने शांत स्वर में उसे पूछा कि जिनके लिए तुम यह घिनौने अपराध करते हो, क्या वे तुम्हारे पापों में सहभागी बनना चाहेंगे?

श्री हरेश मेहता
प्रेसीडेन्ट-यश कॉटन कॉरपोरेशन
(प्रसिद्ध मार्केटिंग गुरू)

इस प्रश्न ने रत्नाकर के हृदय को झकझोर कर रख दिया। वह अपने परिवार के पास गया, लेकिन सभी ने उसके पापों की जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया। उसी क्षण उसे आत्मबोध हुआ और वह नारद मुनि के चरणों में गिर पड़ा। उसने अपने बाकी बचे जीवन में राम नाम जपने का निर्णय लिया। वर्षों की साधना और तपस्या के बाद वहीं र|ाकर आगे चलकर महर्षि वाल्मीकि के रूप में प्रख्यात हुए, जिन्हें आज हम रामायण के रचयिता के तौर पर जानते है। नारद मुनि के रूप में आए गुरूने एक अत्यंत निर्दयी डाकू का जीवन पूरी तरह से बदल दिया।

दोस्तों, यह होती है गुरू की शक्ति। गुरू केवल हमें ज्ञान नहीं देते, वे हमारी आत्मा को जागृत करके हमें हमारे वास्तविक स्वरूप से परिचित कराते हैं। हमारे जीवन निर्माण में गुरुओं की भूमिका अहम होती है। गुरू ही हमें सही और गलत का भेद समझाते हैं। गुरू ही हमें भगवान को पाने का रास्ता दिखाते हैं। इसलिए ही हमारे देश में गुरू के सम्मान में हर साल आषाढ़ पूर्णिमा के दिन गुरू पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। इस अवसर पर लोग अपने गुरुओं के प्रति कृतज्ञता का भाव जाहीर करते हैं।

गुरूहमें अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाते हैं। हमारी भारतीय संस्कृति में गुरूका स्थान ईश्वर से भी ऊँचा माना गया है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि ''गुरू ब्रह्मा गुरू विष्णु, गुरू देवो महेश्वरा, गुरू साक्षात परब्रह्म, तस्मैं श्री गुरुवे नमः''। हमारे जीवन में गुरू का स्थान ब्रह्मा, विष्णु और महेश से भी अधिक महत्वपूर्ण है। क्योंकि गुरू ही वह माध्यम होते हैं जो हमें भगवान से जोड़ते हैं। वे हमारी आत्मा और परमात्मा के बीच का सेतु बनते हैं। गुरू की कृपा से ही ईश्वर का साक्षात्कार संभव होता है।

दोस्तों, भारतीय इतिहास में गुरू भक्ति की अनेक अद्वितीय मिसालें मिलती हैं। याद कीजिए एकलव्य और द्रोणाचार्य का प्रसंग। भले ही एकलव्य जंगल में रहता था, लेकिन वह गुरू द्रोणाचार्य की मिट्टी की मूर्ति बनाकर अभ्यास करता रहा। उसने कभी गुरू को प्रत्यक्ष देखा नहीं था या उनसे कुछ सीखा नहीं था, पर फिर भी उसने द्रोणाचार्य को अपना गुरू माना। और जब गुरूने उससे दक्षिणा माँगी, तो उसने बिना किसी संकोच के अपना अंगूठा काटकर अर्पण कर दिया। सोचिए, यह सिर्फ भक्ति नहीं थी, यह था एकलव्य का अपने गुरू के प्रति समर्पण।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि गुरू कृपा ने अनेक महान आत्माओं का जीवन बदल दिया। नरेंद्रनाथ दत्त की श्री रामकृष्ण परमहंस से हुई पहली ही मुलाकात ने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी। यही नरेंद्र आगे चलकर स्वामी विवेकानंद बने और देश-विदेश में भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म का प्रचार किया। चाणक्य की दुरदृष्टि ने चन्द्रगुप्त मौर्य की प्रतिभा को पहचाना और उसे मगध के सिंहासन पर आरूढ़ कर दिया। समर्थ स्वामी रामदास की कृपा से छत्रपति शिवाजी महाराज ने हिंदवी स्वराज की स्थापना की और उन लाखों हिन्दुओं को आत्मगौरव दिलाया, जो वर्षों से मुस्लिम आक्रांताओं की पराधीनता में जी रहे थे।

दुनिया को फतेह करने निकले महान सिकंदर ने अपने गुरू एरिस्टोटल के बारे में एक बार कहा था 'मैं अपने पिता का आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे जीवन दिया, लेकिन मैं अपने गुरू का उससे भी अधिक ऋणी हूँ, जिन्होंने मुझे जीवन जीना सिखाया'' एरिस्टोटल ने सिकंदर को केवल तलवार चलाना नहीं सिखाया, बल्कि दर्शनशास्त्र, नीतिशास्त्र, राजनीति, विज्ञान, साहित्य जैसे विषयों में भी पारंगत बनाया। उन्होंने सिकंदर को उस समय के महान यूनानी होमर की विश्वविख्यात कृतियाँ इलियड़ और ओडिसी से भी परिचित कराया।

ईश्वर को भले ही तुमने न देखा हो, लेकिन गुरू के माध्यम से तुम ईश्वर को पहचान सकते हो। गुरू ही ईश्वर का प्रतिबिंब है, जिन्हें तुम अपनी आँखों के सामने देख सकते हो। गुरूके चरण का प्रत्येक रजकण संसार सागर को पार कराने में सक्षम होता है। मैं आज की बात का अंत संत कबीर के एक प्रसिद्ध दोहे के साथ करना चाहता हूँ।

गुरू गोविंद दोऊ खड़े, काके लागू पाय,
बलिहारी गुरू आपनो, जिन गोविंद दियो बताए।

Email: harresh.mehta@yashcotton.com | Mobile +91 82916-71111

एक राष्ट्र, एक कर, एक बाजार की परिकल्पना साकार : जीएसटी कर प्रणाली

मुजफ्फरनगर / अजय कुमार सिंघल

भारत में 1 जुलाई 2017 को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू हुआ, जिसे स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े कर सुधारों में एक माना गया। इसका उद्देश्य एक राष्ट्र, एक कर, एक बाजार की परिकल्पना को साकार करना था, परंतु इस प्रणाली की व्यावहारिकता, सरलता और समावेशिता को लेकर विभिन्न हितधारकों शासन, प्रशासन, व्यापारी और उपभोक्ता की स्थिति का विश्लेषण करता है।

शासन, प्रशासन, व्यापारी और उपभोक्ताओं पर प्रभाव व परिणाम :

◆ **शासन** – कर राजस्व में वृद्धि, कर संग्रहण की पारदर्शिता, विभिन्न अप्रत्यक्ष करों का समेकन, कर चोरी पर नियंत्रण, सहकारी संघवाद के माध्यम से कर निर्धारण आदि प्रारंभिक वर्षों में संग्रह अपेक्षा से कम रहा, लेकिन वर्ष 2023 के बाद से जीएसटी संग्रह लगभग 1.5 लाख करोड़ से ऊपर बना रहा।

ई-वे बिल, ई-इनवॉइस और GSTN पोर्टल ने पारदर्शिता को बढ़ावा दिया, जिससे कर चोरी पर आंशिक अंकुश लगा, परंतु नकली फर्मों द्वारा ITC घोटालों की घटनाएं बढ़ीं। केंद्र और राज्यों के बीच राजस्व विभाजन को लेकर विवाद भी हुए।

◆ **प्रशासन** – कर प्रणाली की निगरानी का डिजिटलीकरण, अनुपालन की प्रक्रिया का सरलीकरण, अधिकारी-केंद्रित नियंत्रण की अपेक्षा प्रणाली-केंद्रित नियंत्रण आदि। जीएसटीएन पोर्टल के माध्यम से निगरानी प्रणाली सशक्त हुई, परंतु तकनीकी गड़बड़ियां लगातार समस्या बनी रहीं। फॉर्म GSTR-1, 3B, 9 आदि की जटिलता ने अनुपालन कठिन बनाया एवं रिफंड प्रक्रिया में लंबा विलंब प्रशासन की कार्यक्षमता पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है।

◆ **व्यापारी** – कर व्यवस्था की सरलता, इनपुट टेक्स क्रेडिट (ITC) की सुविधा, समान कर दरें और राष्ट्रीय स्तर पर व्यापार सहजता, कर अनुपालन की लागत में कमी आदि। छोटे व्यापारी अत्यधिक कागजी कार्यवाही और बार-बार फाइलिंग से असंतुष्ट रहें तथा बड़े व्यापारी और संगठित क्षेत्र ने लाभ उठाया, क्योंकि उनके पास संसाधन और टेक्नोलॉजी थी। ITC प्राप्त करने की प्रक्रिया में जटिलता और अस्वीकृति व्यापारीवर्ग के लिए प्रमुख समस्या बनी रही एवं कर दरों की बार-बार समीक्षा से व्यापारिक अनिश्चितता बनी रहीं।

◆ **उपभोक्ता** – वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में कमी, कर का एकीकरण मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता लाएगा एवं दोहरे कर (VAT + Service Tax) की समाप्ति से राहत आदि। कुछ आवश्यक वस्तुओं पर कर दरें कम हुई, लेकिन रेस्टोरेंट, मोबाइल सेवाएं, ऑनलाइन सेवाएं आदि महंगी हुई। उपभोक्ता को प्रत्यक्ष लाभ कम मिला, क्योंकि कारोबारी कई बार कर लाभ पास ऑन नही करते तथा कर चालान में पारदर्शिता बढ़ी कीमतों में स्पष्ट गिरावट नहीं देखी गई।

महत्त्वपूर्ण चुनौतियाँ

प्रौद्योगिकी आधारित कर प्रणाली के कारण डिजिटल साक्षरता की कमी वाले वर्ग प्रभावित हुए। केंद्रीकरण बनाम सहकारी संघवाद के बीच तनाव रहा, छोटे व्यवसायियों के लिए अनुपालन की उच्च लागत एवं लगातार बदलते नियम, अधिसूचनाएँ और फॉर्म व्यापार में अनिश्चितता का कारण बने।

सुझाव

◆ छोटे व्यापारियों के लिए सरल रिटर्न प्रणाली लागू हो।
◆ ITC प्रक्रिया को युक्ति संगत एवं समयबद्ध किया जाए।
◆ जीएसटी दरों को न्यूनतम किया जाए।
◆ कर पोर्टल की तकनीकी समस्याओं को शीघ्र हल किया जाए।
◆ उपभोक्ता अधिकारों को सशक्त किया जाए, ताकि कर सुनिश्चित हो सकें।

निष्कर्ष

जीएसटी कर प्रणाली एक आर्थिक दृष्टि से दूरदर्शी एवं औचित्यपूर्ण सुधार रहा है, किंतु इसके क्रियान्वयन में कई व्यावहारिक बाधाएँ सामने आई। सरकार और बड़े संगठनों के लिए यह अपेक्षाकृत उपयोगी सिद्ध हुई, किंतु छोटे व्यापारी, प्रशासनिक तंत्र और उपभोक्त ावर्ग को इसे अपनाने में कठिनाइयाँ हुई। अतः यह कहा जा सकता है कि जीएसटी प्रणाली पूर्णतः नहीं, किंतु आशिक रूप से विभिन्न वर्गों की आशाओं के अनुरूप रही है। अब आवश्यक है कि इसे सरल, पारदर्शी, समावेशी और संतुलित बनाया जाए।

विन्ध्य व्यापार मेला 2025 की तैयारियां शुरू

सतना/ बलराम शुक्ला

विन्ध्य चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज सतना द्वारा बीटीआई ग्राउंड में आयोजित 12 वें विध्य व्यापार मेला 2025 की तैयारियों के सम्बंध में विभिन्न समितियों के संयोजक एवं समन्वयक की बैठक सोमवार सायं 04 बजे चेंबर सभागार सतना मे चेम्बर अध्यक्ष श्री सतीश सुखेजा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। चेंबर महामंत्री श्री संदीप कुमार जैन ने बताया कि 19 दिसम्बर 2025 से 29 दिसम्बर 2025 तक बी. टी. आई ग्राउण्ड सतना में आयोजित होने जा रहे 12 वें विन्ध्य व्यापार मेले की तैयारियों के संदर्भ में विभिन्न समितियों के संयोजको एवं समन्वयक को उनकी समिति की जिम्मेदारी दी गई और विभिन्न महत्त्वपूर्ण सुझाव चेंबर को प्राप्त हुए और उनका क्रियान्वयन करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। सर्व श्री मनोहर वाधवानी, उमेश प्रताप सिंह, हरिओम गुप्ता, संजय शाह, सुरेश बाषाणी, हीरामणि जायसवाल, अनिल मोटवानी, सुरेश केशरवानी, हिमांशु सिंह अरोरा, सेवकराम आतवानी, केशव माखीजा, विनोद गुप्ता, अशोक ताम्रकार, राजेन्द्र अग्रवाल ''शशि'' ने बैठक को संबोधित करते हुए अपने सुझाव दिये। इस दौरान व्यापार मेला की समितियां भी बनाई गई।

यार्न रेट्स

YARN Rate
यार्न रेट्स 20 जुलाई, 2025

C.T.M.
PH. 247511, 247512, 9829045130

2/30 NTBL	228
2/18 Dyed	236
2/40 Dyed	268
2/30 Frosted	225
2/30 Dyed Slub	228
2/30 School Dress Clourer	228

R.T.M Mob: 9829047404

2/30 Dyed Ntbl	219
2/40 Dyed	260
2/30 Frosted	218

SRM Spinners Mob. 8078660873

2/18 PV Diamond	165
2/18 PV Navy 85:15	175
2/18 PV Black 70:30	194
2/18 R Navy 70:30	187
1/15 Poly Black	129
20 PV Black	151
15 PV Black	147
2/30 PV 65/35 Black	192

PANIPAT YARN- 9416031498

TEXTURISE			
150	Roto	Grey.	106-148
150	Roto	Black.	107-150
150	Roto	Bright.	122-140
150/250		grey.	111-160
150/250		dyed	123-166
150 FDY.			126
P.V. Yarn			
2/20 Grey CL			133
2/40 POLY			180
2/15 Poly Grey			126
2/20 Poly CL			-----
20 Poly CL			122
Cotton Yarn			
4 cone OE			55-116
6 cone. OE			62-164
10 cone OE			84-118
2/4 cone OE			89-163
2/6. OE			100-175
2/8 OE			104-187
2/10 OE.			114-226
2/20 OE.			224-308
2/30 RF.			310-428
2/40 RF			310-432
STAPLE YARN			
10 CONE			209
15 CONE			211
20 CONE			214
2/15 CONE			217
2/40 CONE			273

Raghav Group (94141-11402)
Email: sheetal@raghavindia.com

TRIDENT LIMITED

COUNT	RATE
1/10 OE	162
1/14 OE	165
1/16 OE	167
1/20 OE	189
30 KW	262
30 CWC 2	71
2/40 CW ELLY	264
40 CW COMPACT	320
50 CW COMPACT	390
SIDDHARTHA SUPER SPG MILLS	
2/15 P/V DYED OLIVE GREEN	190
2/18 P/V BLACK	172
2/30 P/V BLACK	236
LNJ DENIM	
6 OE	164
7 OE	166
10 OE	170
10 LYCRA	240
10 SLUB LYCRA	255

VISAKA IND. LTD.
PH. 93514-27900

2/20 Poly Grey@	156
2/24 Poly Grey@	162
2/30 Poly Grey@	167
2/40 Poly Grey@	194
2/60 Poly Grey@	255
2/76 Poly Grey@	313
2/30 PV Black @	216
2/40 PV Black @	256
2/30 PV HD Dyed @	243

GORAKHPUR YARN PRAHALAD RAI & CO.
PH. 99358-27000

Ankur	
1/20 pv	NA
1/15 pv	NA
2/30 pv	NA
1/30 pv	170
Jaanvi	
1/15 psy	125
Triveni	
2/40 pv	218
2/30 pv	186
1/20 pv	158
1/15 pv	152

NEETA YARNS
Ph. 022-28335766, 093246-70428
(M) 98210-82022

Fancy Yarn Per Kg	
2/60 PC (65/35)	-----
2/60 PVT	-----
2/60 Polyster	-----
2/76 Polyster	-----
2/60 P.V.	-----
2/60 P.C.	-----
150/48/400 Bright	-----
75/36/1450 Bright Rate	-----
65/36/600 Bright Rate	-----
100/36/1450	-----

MODTEX TEXTURISERS
PH. 246496, 98292-50430

150/400 Cone Dyed	-----+GST
150 HIM Cone Dyed	-----+GST
300 HIM Cone Dyed	-----+GST

Cd : 3rs/kg

GRASIM INDUSTRIES LTD.
PH. 247324, 93521-45544

2/30 NTBL	-
2/40 Dyed	-
2/50 Dyed	-

PAWAN ENTERPISES
9414111656

Triveni Spinning	
1/15 Pv. 70/30 Z Black@	-
2/30 pv 70/30 Z Black@	-
2/40 Pv70/30 Z Black@	-
Vergine Quality	
1/15 Pv 70/30 Grey @	-
1/20 Pv 70/30 Grey@	-
2/15 Pv 70/30 Grey@	-
2/18 Pv 70/30 Grey @	-
2/30 Pv70/30 Grey@	-
1/15 Polyester Grey@	-
2/20 Polyester Grey @	-
2/30 70/30 Melange@	-
2/30 100% Viscose@	.....
2/40 100% viscose@	-

RATAN BARJATIYA SPINNERS
Bhavit Jain: 9928913144

PV Yarn	
2/60 PV	265
2/40 PV	210
2/30 PV	181
2/24 PV	175
2/20 PV	170
2/18 PV	168
2/15 PV	163
Recycled PV Yarn 70:30	
2/40 PV	192
2/30 PV	172
Polyester Yarn	
2/60 Poly	235
2/40 Poly	186
2/30 Poly	158
2/24 Poly	154
2/20 Poly	148
2/15 Poly	142
Recycled Polyester yarn	
2/40 recycled	170
2/30 recycled	152
2/20 recycled	135
2/15 recycled	130
1/15 recycled	118
PC Yarn Combed (65:35)	
2/40 PC	245
2/30 PC	225
Black Yarn	
2/30 poly black	155
2/30 pv 70:30 black	195
2/47 poly magic	170
2/47 pv magic	188

अगस्त 2025 में वस्त्र उद्योग पर ज्योतिषी प्रभाव -डॉ. कुंदन ज्योतिषी

मुम्बई

अगस्त महीने में बुध के उदयमार्गी होने का व्यापार जगत पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा। इस समय शनि का मीन राशि में बिक्री का होना, कल कारखानों व मजदूरों से संबंधित परेशानियां बढ़कर शनि संबंधित खनिज तेल व जमीन के अंश की वस्तुओं व लोट अयस्कों में तेजी लाएगा। शुक्र व गुरु की प्रति व्यापार व अर्थव्यवस्था में सुधार लाएगी, किंतु शनि-मंगल का दृष्टि योग विश्व की राजनीति में हलचल मचाएगी जो महंगाई बढ़ाएगा।

अगस्त के पहले सप्ताह में पीड़ित मंगल के प्रभाव से खाद्य पदार्थ व ज्वलनशील पदार्थों में तेजी का रूख रहेगा। तारीख 5 से 12 तक दलहन व तिलहन के भावों में तेजी आएगी, किंतु गेहूँ, गुड़, कपास एवं इससे बनने वाले वस्त्र व किरणा का सामान मंदा रहेगा। तारीख 13 से 18 तक गुरु के प्रभाव से कपास वस्त्र उद्योग में तेजी आएगी। तारीख 19 से 26 अगस्त बुद्ध का प्रभाव व्यापारियों को लाभ दिलाएगा। अगस्त के आखिरी सप्ताह में एक बार फिर रक्षाबंधन दलहन-तिलहन किराणा के सामान, मेवा-मसाला एवं वस्त्रोद्योग से संबंधित चीजों में तेजी आएगी। कुल मिलाकर अगस्त 2025 में ग्रहों के प्रभाव से व्यापार जगत में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

निर्यात कारोबार बढ़ने से गारमेण्ट.... पृष्ठ 1 का शेषांश

लेकिन जब से बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति फैली और विदेशी बायर्स का विश्वास बांग्लादेश से डगमगाना शुरू किया, तब से भारतीय गारमेण्ट इकाइयों का निर्यात कामकाज बड़ी तेजी से बढ़ा है। अब बांग्लादेश पर अमेरिका द्वारा 35 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद भारत की टेक्सटाइल एवं क्लोदिंग कम्पनियों के हौसले बुलंद हो गए है। प्रतिस्पर्धी देशों से कम टैरिफ भारत पर होने से गारमेण्ट निर्यात में भारी वृद्धि का अनुमान है।

दूसरी ओर भारत-यूके के बीच मुक्त व्यापार करार अमल में आने के बाद यूके में भारत को शुल्क के मामले में चीन की तुलना में फायदा होगा। यूके में भारत से गारमेण्ट का आयात कई गुना बढ़ने का अनुमान है। भारत से तैयार वस्त्रों का कुल वार्षिक निर्यात लगभग 16 अरब अमेरिकी डॉलर का है, इसमें से 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात यूके में किया जाता है। चीन-बांग्लादेश को माध्यम बनाकर भारत के बाजारों में बड़े पैमाने पर सस्ता गारमेण्ट भेजने का खेल खेलता रहा है। इस दिशा में भारत की ओर से कुछ कदम उठाए गए है ताकि गारमेण्ट उद्योग को नुकसान नहीं हो।

मिलों को हाजिर बाजार... पृष्ठ 18 का शेषांश

हाजिर बाजार में कॉटन यार्न के भाव अभी बहुत अधिक नहीं बढ़े हैं। मिलों की ओर से सप्लाई लाइन अच्छी होने और वीविंग इकाइयों में यार्न की मांग कम होने से भाव पर थोड़ा दबाव लग रहा है, लेकिन जैसे-जैसे रूई के भाव बढ़ते जा रहे हैं, वैसे ही यार्न का भाव बढ़ना तय माना जा रहा है। रूई का बाजार भाव अभी प्रति खंडी 55000 से 57000 रू तक पहुँच चुका है, जो दो सप्ताह पहले तक 54000 रू तक सीमित था। रूई के भाव में तेजी की अवधारणा को देखते हुए स्पिनरों को अपनी सप्लाई जारी रखने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। यहीं कारण है कि ऊँचे भाव पर भी स्पिनर्स रूई की खरीदी करने से चूक नही रहे हैं। कॉटन यार्न में फिर से तेजी रहने की संभावना है। सिंथेटिक यार्न के भाव बढ़ने की संभावना धूमिल हो गई है तथा क्रूड तेल घट गया है और पेट्रो प्रॉडक्ट में उछाल की उम्मीद नहीं है, परंतु विस्कोस स्पन यार्न और विस्कोस स्पेशल फाइबर पर क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर का विपरीत असर तमिलनाडु की ओर दिखाई दे रहा है। आमतौर पर इरोड़ की ओर यार्न के भाव अधिक है। यहाँ कपड़ों की बिक्री अच्छी है, लेकिन अब कोयंबटूर, इरोड़ और तिरूपुर के टेक्सटाइल उद्योग मार्च 2023 से क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं। टेक्सटाइल उद्योग में रूई के बाद महत्वपूर्ण कच्ची सामग्री विस्कोस फाइबर मानी जाती है।

कावड़ यात्रा से रेडीमेड में ग्राहकी जबरदस्त

रेवाड़ी/ जयप्रकाश शर्मा

इस समय बाजार में ग्राहकी कमजोर है, क्योंकि हरियाणा में वर्षा ज्यादा होने के कारण ग्राहकी ज्यादा नहीं है। अभी सावन मास में कावड़ यात्रा के कारण रेडीमेड में कपड़ा बिक रहा है, बाकी मार्केट धीमा है। पायल साड़ी शोरूम के यहाँ ग्राहकी अभी रक्षाबंधन होने के कारण सूरत से साड़ियां बुकिंग करके आए हैं। पार्टी एक से एक डिजाइंस प्रिंट में सावन का लहरियां, साड़ियां बिक रही है। सतपाल राजकुमार, रेवाड़ी के यहाँ अभी साड़ियों की में 250 से 1000 रूपए तक की अच्छी डिमांड है। अशोक टेक्सटाइल के यहाँ रिटेल बुकिंग चल रही है। अभी बुकिंग कम मिल रहीं है, किंतु रक्षाबंधन के बाद ग्राहकी चलने की पूरी उम्मीद है। बाजार में इस समय रेडीमेड एवं स्कूल यूनिफॉर्म की ड्रेस बिक रही है। अभी पेमेंट की आवक कमजोर है। आगे ग्राहकी अच्छी चलने की उम्मीद बनी हुई है।

दिल्ली कपड़ा बाजार

वूलन व सिंथेटिक कपड़ों की मांग घट रहा है सीजन का समय

बरसाती मौसम का कारोबार पर असर

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

दिल्ली कपड़ा बाजार में पिछले कुछ पखवाड़ों से पसरा सन्नाटा समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है तथा किसी न किसी कारण से बाजार में ग्राहकी का अभाव बना हुआ है। इस समय बरसाती मौसम के कारण बाजार में कारोबार कमजोर बना हुआ है तथा इसके जल्दी समाप्त होने की संभावना नजर नही आ रही है। उल्लेखनीय है कि अप्रैल के बाद दिल्ली कपड़ा बाजार में ग्राहकी में गति नही आ रही है और व्यापारी आगे मांग निकलने की आशा में बैठा हुआ है। व्यापारियों का कहना है कि अब वास्तव में कपड़े के कारोबार की अवधि सिमटकर 4 महीने ही रह गई और 8 महीने कारोबार सीमित या नगण्य रहता है।

व्यापारियों के अनुसार कपड़ा कारोबार एक सीजनल कारोबार है और वैवाहिक व त्योहारी सीजन पर दारोमदार रहता है, लेकिन कुछ वर्षो से जलवायु परिवर्तन का असर फसलों पर पड़ने के साथ ही कपड़े के कारोबार पर भी पड़ने लगा है तथा कारोबार की अवधि सिमटती जा रहीं है। साथ ही पैसे का प्रवाह भी प्रभावित हो रहा है और उधारी की वापसी का समय बढ़ रहा है।

जलवायु परिवर्तन से बदला चक्र- जानकारों का कहना है कि अब ग्रीष्मकालीन वैवाहिक सीजन में विवाह कम होते जा रहे हैं और गाँवों में भी सर्दियों में शादी अधिक होने लगी हैं, इससे गर्मियों के सीजन की ग्राहकी नगण्य रह गई है।

वूलन व सिंथेटिक- इसी बीच सिंथेटिक सूटिंग व शर्टिंग में कारोबार सीमित बना रहा तथा थोक व्यापारी बुकिंग आदि में व्यस्त रहें। वैवाहिक और सिंथेटिक साड़ियों में केवल सीमित मांग रही, जबकि लहंगे आदि का उठाव कमजोर बना रहा। कॉटन आयटमों में छिटपुट मांग आती रही, जबकि लेडीज आयटम की मांग में कुछ सुधार हुआ है।

व्यापारियों का कहना है कि विगत दिनों अनेक मिलों ने देश-विदेश में कॉन्फ्रेंस और डिस्प्ले करके अच्छी मात्रा में बुकिंग प्राप्त की है और अब इस बुकिंग की चालानी धीरे-धीरे आरंभ हो रही है। उल्लेखनीय है कि जून में लगभग हर मिल ने बुकिंग की और स्कीम या इंसैटिव का सहारा भी लिया। व्यापारियों का कहना है कि ग्राडो, सियाराम, रेमंड, रीड एंड टेलर, दिग्जाम आदि के माल आवक की सीमित पूछपरख बनी हुई है। व्यापारियों के अनुसार जापानी सूटिंग की बाजार में संतोषजनक मांग बनी हुई है। स्कूल यूनिफॉर्म के लिए खुदरा में सूटिंग-शर्टिंग की मांग अच्छी रही। व्यापारियों का कहना है कि सीजन बदलने के कारण आगामी दिनों में कॉटन सूटिंग कम रहने का अनुमान है। वूलन सूटिंग की मांग दिनों-दिन कम होती जा रही है।

वैवाहिक सीजन नहीं होने से कोम्बो पैकिंग में खुदरा स्तर पर कोई उठाव नहीं है। शर्टिंग में कोई खास कारोबार नहीं हो रहा है। मिलों और निर्माताओं द्वारा हाल में की गई बुकिंग का माल आ रहा है। जानकारों का कहना है कि शर्टिंग में कारोबार कमजोर ही रहने का अनुमान है। वैवाहिक सीजन नहीं होने से अब एथनिक पहनावे के लिए फैब्रिक की मांग भी कमजोर पड़ गई है, लेकिन आगामी महीनों में अच्छी मांग आने की संभावना है।

व्यापारियों का कहना है कि मितवा व कुछ मिलों ने एथनिक पहनावे के लिए व्यापक रेंज आकर्षक रंगों में बाजार में दी है। लहंगा और चुनरी में कारोबार कमजोर बना रहा। जानकारों का कहना है कि अब परम्परागत लहंगा-चुनरी की मांग कमजोर हो रही है, जबकि वेस्टर्न ड्रेस का चलन दिनों-दिन बढ़ रहा है। चटख रंगों के स्थान पर लाइट कलर का चलन अधिक हो रहा है। व्यापारियों का कहना है कि लहंगों आदि में अब वैवाहिक अवसरों और उत्सव आदि में लाइट वेट-लाइट कलर का चलन बढ़ता जा रहा है। लेडीज सूट व कॉटन आयटमों की सीमित मांग बनी हुई है। जानकारों का कहना है कि आगामी दिनों में पोपलीन, पशमीना, स्पन आदि की मांग आने का अनुमान है। आगामी सीजन के लिए कुछ भारी स्टॉक की मांग आ रहीं है। कैम्ब्रिक आदि का उठाव कमजोर है।

टेक्सटाइल क्षेत्र की उन्नति में नैतिक शिक्षा का महत्त्व

श्री सुनील भटनागर
प्रोफेसर एवं टेक्सटाइल कन्सलटेन्ट
सम्पर्क-74258 13125

भारत में कुछ दिन पहले घटनाएं घटी है, जिन्होंने हर किसी को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या हमारी दशा और दिशा सही जा रही है?

जैसे -

केस 1. 114 वर्ष के वयोवृद्ध धावक फौजा सिंह हमारे बीच नही रहे। उन्हें सैर करते समय एक वाहन ने टक्कर मारी, जिससे वह गंभीर घायल हो गए और इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। बाद में पता चला कि कार चालक को पता था कि किसी व्यक्ति को उसने टक्कर मारी है। मगर हॉस्पिटल पहुँचाने कि बजाए, वह भाग गया।

केस 2. गुरू पूर्णिमा के दिन कुछ छात्रों ने स्कूल में बालों पर टोकने पर अपने प्रिंसीपल की हत्या कर दी।

केस 3. गलत तरीके जैसे पेपर लीक, अपनी जगह एग्जाम में दूसरे को बिठाना और नौकरी प्राप्त करने की कोशिश।

केस 4. ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी गोपनीय सूचनाओं को दुश्मन देश से साझा करने में ऐसे लोग पाए गए, जिनकी जिम्मेदारी देश सुरक्षा की थी, जैसे - हनी ट्रैप में फँसना ।

आज आर्थिक, सामाजिक और पारिवारिक क्राइम में पढ़े लिखे लोगो की संख्या का लगातार बढ़ना, क्या चिंता का विषय नहीं है, आज अर्बन क्षेत्र में क्राइम्स, रूरल क्षेत्र से आगे पहुँच गए है। इन सभी बिंदुओं पर अगर गौर करे तो हम शिक्षा में कमी पाएंगे - जी हां, शिक्षा शिक्षा शिक्षा!

शिक्षा के प्रकार है, जैसे -

1. व्यावसायिक शिक्षा - व्यवसाय या कारोबार में सफल होने के लिए शिक्षा, जो स्कूल, कॉलेज में थ्योरी, प्रेक्टिकल टीचर्स द्वारा सिखाई जाती है। जिसका परिणाम एग्जाम द्वारा सफल और असफल घोषित होना। यह शिक्षा कैसे, कब, किसलिए इत्यादि जवाबों पर होती है।

2. नैतिक शिक्षा - जो 'क्यों' का जवाब खोजने वालों पर टिकी है और इसमें मुख्य माता-पिता, परिवार, गुरू और समाज का रोल होता है। जैसा समाज, देश को हम देखना चाहते है, वैसा खुद भी उसके अनुसार बनना होगा।

अतः मेरा मानना है कि आधुनिक शिक्षा में नैतिक शिक्षा को समय रहते नहीं जोड़ा गया, तो हम समाज में ऐसे लोगों की फौज तैयार कर रहे है, जिन्हें अपने अलावा समाज, देश से मतलब नहीं है।

टेक्सटाइल परिवेश के महत्त्वपूर्ण बिंदु :

- 100 प्रतिशत कॉटन कपड़ों के नाम से बिकने वाले गारमेण्ट्स में सिंथेटिक मिश्रण का पाया जाना।
- कपड़े और धागा बनाने में विषाक्त रंगों का प्रयोग।
- पैकिंग में प्लास्टिक इत्यादि का प्रयोग।
- रिजल्ट बढ़िया दिखाने के चक्कर में सिस्टम से छेड़छाड़।
- बचत के नाम पर कामगारों की भर्ती, ओवरटाइम, सुरक्षा, ट्रेनिंग और सुविधाओ में छेड़छाड़।
- कुछ टेक्सटाइल कॉलेजो में इन्फ्रास्ट्रक्चर (अध्यापक, लेबोरेटरी) से समझौता पर रोक।
- नकली खाद के व्यापार पर अंकुश।
- विदेशी कपड़े और धागे की आवक।
- स्वदेशी मशीनों की बजाय विदेशी मशीनों और टेक्नोलॉजी पर विश्वास और निर्भरता।
- सर्टिफिकेशन की धरातल पर कार्य की जरूरत और पहुँच।
- कार्य को बढ़ाने की जरूरत।
- अपने से ऊपर, साथी और नीचे वालों की मदद वाली सोच को बढ़ाने की जरूरत।
- प्रमोशन और जिम्मेदारी देने में लाइफ स्किल्स की जरूरत।
- एचआर विभाग में सोच की जरूरत।

मेरा मानना है कि सिर्फ अपने कार्य की जानकारी होना ही शिक्षा नहीं कहलाती, इसमें लगातार जीवन निर्माण, नवनिर्माण, देश निर्माण और चरित्र निर्माण होता रहे एवं हम मनुष्य बने रह सके और अपने देश को सुरक्षित बनाए, जिसमें सीमाएं सुरक्षित हो और आर्थिक, सामाजिक और पारिवारिक मजबूती हो। नौकरियों में सरकार, संस्थाओं को मेडिकल टेस्ट में शारीरिक बीमारियों के साथ-साथ मानसिक बीमारियों की रिपोर्ट भी अनिवार्य करनी चाहिए। मेरा मानना है कि यह सब पर लागू हो।

आप क्या सहमत है?

अतः आज जरूरत है ऐसे टेक्सटाइल क्षेत्र से जुड़े उद्योग घरानों की, जो स्पोर्ट्स के साथ अपने-अपने क्षेत्र की शिक्षा संस्थानों की मदद करे और ऐसे युवाओं के निर्माण में अपना योगदान दे, जो विकसित भारत के निर्माण में सहायक हो न कि बेरोजगार भत्ते वाली फ्री स्कीमों को अपना लक्ष्य बनाकर भविष्य अंधकारमय कर ले।

अब यह हमारे हाथ में है कि हमें क्या चुनना है?

प्रसिद्ध सूटिंग निर्माता कम्पनी

'श्री गणेशम सल्ज' द्वारा न्यू इनोवेशन के तहत ब्राण्ड पोस्टर का किया विमोचन

भीलवाड़ा/ स्थानीय टेक्सटाइल इंडस्ट्री में क्वालिटी सूटिंग निर्माता कम्पनी 'श्री गणेशम सल्ज' द्वारा इस क्षेत्र में बेहतर नाम स्थापित किया है। कम्पनी के प्रमुख ब्राण्ड जेनेरिस एवं हाल ही में न्यू ब्राण्ड गोल्डन डस्ट की लॉञ्चिंग की गई, जिसमें भी मिल ब्राण्ड स्तर के उत्पाद बनाए जा रहे हैं। गौरतलब है कि कम्पनी की स्थापना डायरेक्टर श्री अमित सोनी एवं श्री नमन व्यास के संयुक्त नेतृत्व से वर्ष 2008 में की गई थी। तब से इनके अथक प्रयास एवं कार्यकौशल से कम्पनी ने घरेलु एवं निर्यात बाजार में बेहतर पहचान बनाई है।

प्रमुख उत्पाद - डायरेक्टर श्री अमित सोनी ने बताया कि कम्पनी में सदैव मिल स्तर की फैब्रिक का ही उत्पादन किया जा रहा है एवं क्वालिटी से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करते हैं। मिल के प्रमुख ब्राण्ड **जेनेरिस** के अलावा एक प्रमुख ब्राण्ड **गोल्डन डस्ट** के नाम से भी है। प्रीमियम सूटिंग में पीवी, लिनन बेस के साथ ही मिल उच्च क्वालिटी के टीआर फैब्रिक का निर्माण कर रहीं है, जिसमें प्लेन, चैक्स, डोबीज, लाइनिंग सहित कई अन्य डिजाइंस लाइक्रा में बहुतायत में निर्मित की जा रही है। कुल मिलाकर मिल द्वारा 400 से अधिक प्रकार की डिजाइंस अलग-अलग कलर रेंज बाजार में सप्लाई की जा रही है।

मार्केटिंग एवं सेल्स नेटवर्क- मिल के प्रबंधन में अनुभवी सेल्स प्रभारी एवं सेल्समेन कार्य कर रहे हैं, जो देश की कई मण्डियों में सैंपलिंग के साथ उत्पाद प्रदर्शित कर बुकिंग करते हैं। मिल का सेल्स नेटवर्क देश की कई वस्त्र मण्डियों में विस्तृत है एवं मिल द्वारा कॉर्पोरेट एवं एक्सपोर्ट में भी फैब्रिक सप्लाई किया जा रहा है।

प्रमोशन एवं ब्राण्डिंग- मिल द्वारा समय-समय पर व्यापारियों के साथ मिलकर डिस्प्ले कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाता है। अभी हाल ही में कम्पनी द्वारा अपने दोनों ब्राण्ड के पोस्टर का विमोचन भी किया गया है।

न्यू डवलपमेण्ट- मिल द्वारा आगामी फेस्टिवल सीजन के तहत फैब्रिक निर्मित किए जा रहे हैं, जिनकी शीघ्र ही बाजार में आपूर्ति की जाएगी।

Postal Registration No BHILWARA/208/2024-2026 RNI Registration No. 71772/98

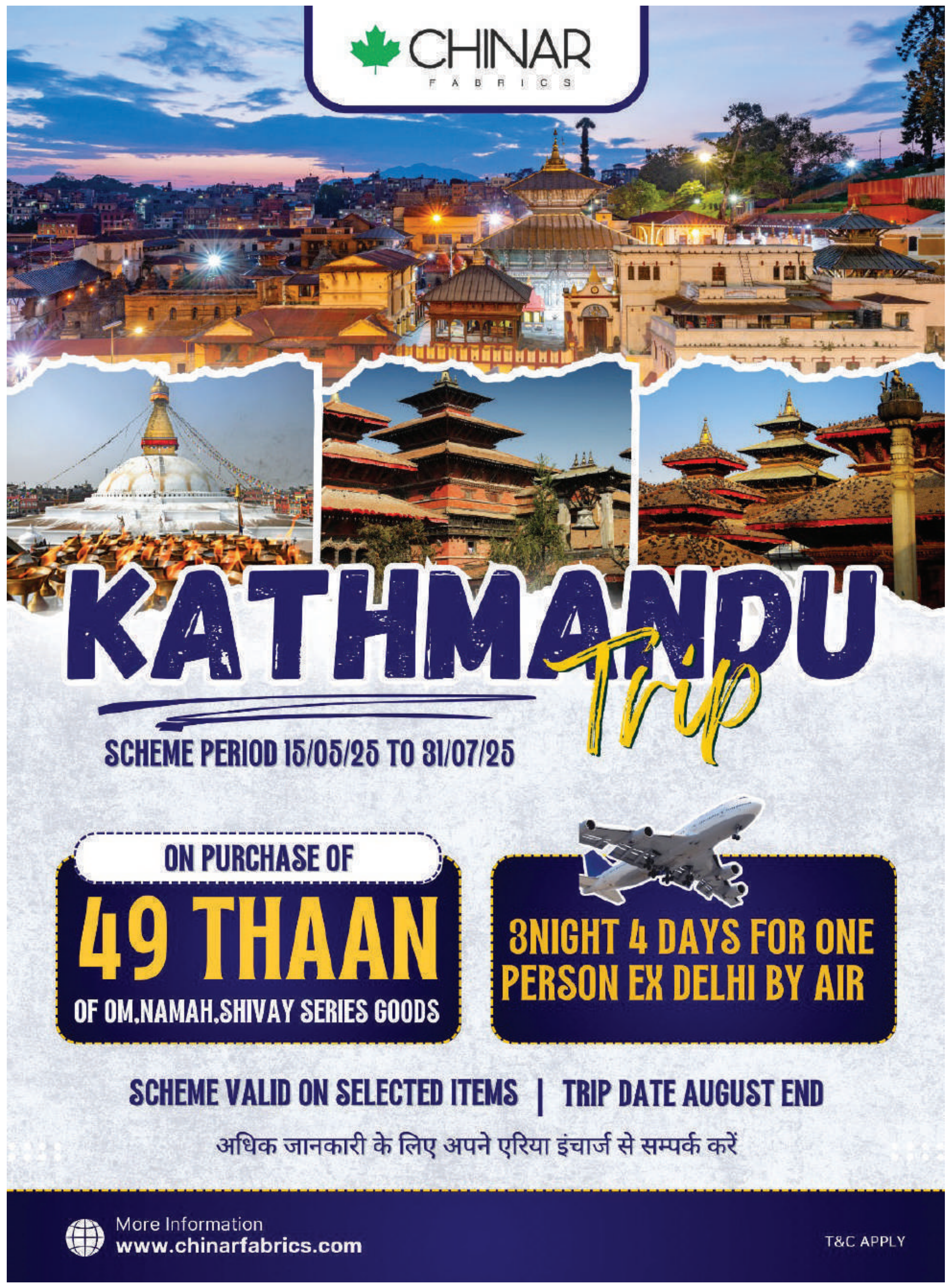

Sushil jain
7666625251

Arvind F. Jain
9820067944

SAGAR
★★★★★

Kotwala Synthetics

Dealer of Imported Knitted, Suiting, Shirting Fabrics

Shop No.: 52/56 Vithalwadi, Ground Floor, Shop No. 2 Kalbadevi Road, Mumbai-400 002, Tel.: 22404798/2242 4477
Email: kotwalasynthetics5256@gmail.com

मिलों को हाजिर बाजार में यार्न की डिमांड बढ़ने का इंतजार

मुम्बई/ रमाशंकर पाण्डेय... कॉटन यार्न की मांग कमजोर है। वीविंग इकाइयों में कपड़ों का उत्पादन आधे से भी कम क्षमता पर होने के कारण यार्न की मांग को बाजार में सपोर्ट कम मिल रहा है। कॉटन यार्न में जो कुछ तेजी दिखाई दे रही है, यह सप्लाई साइड की ओर से हो सकती है। स्पिनिंग मिलों को हाजिर बाजार में यार्न की डिमांड बढ़ने का इंतजार है। कपड़ों की मांग बढ़ने की पूरी संभावना है। कारण है कि लंबे समय से वीविंग इकाइयों में उत्पादन नहीं बढ़ा है। जैसे ही त्योहारी सीजन एवं वैवाहिक सीजन के लिए बाजार में मांग खुलनी शुरू होगी, वैसे ही वीवर्स को कपड़ों का उत्पादन बढ़ाना ही पड़ेगा। यहीं कारण है कि स्पिनिंग मिलों में यार्न बनाने में किसी तरह की कटौती नही की गई है। **शेषांश पृष्ठ 10...**

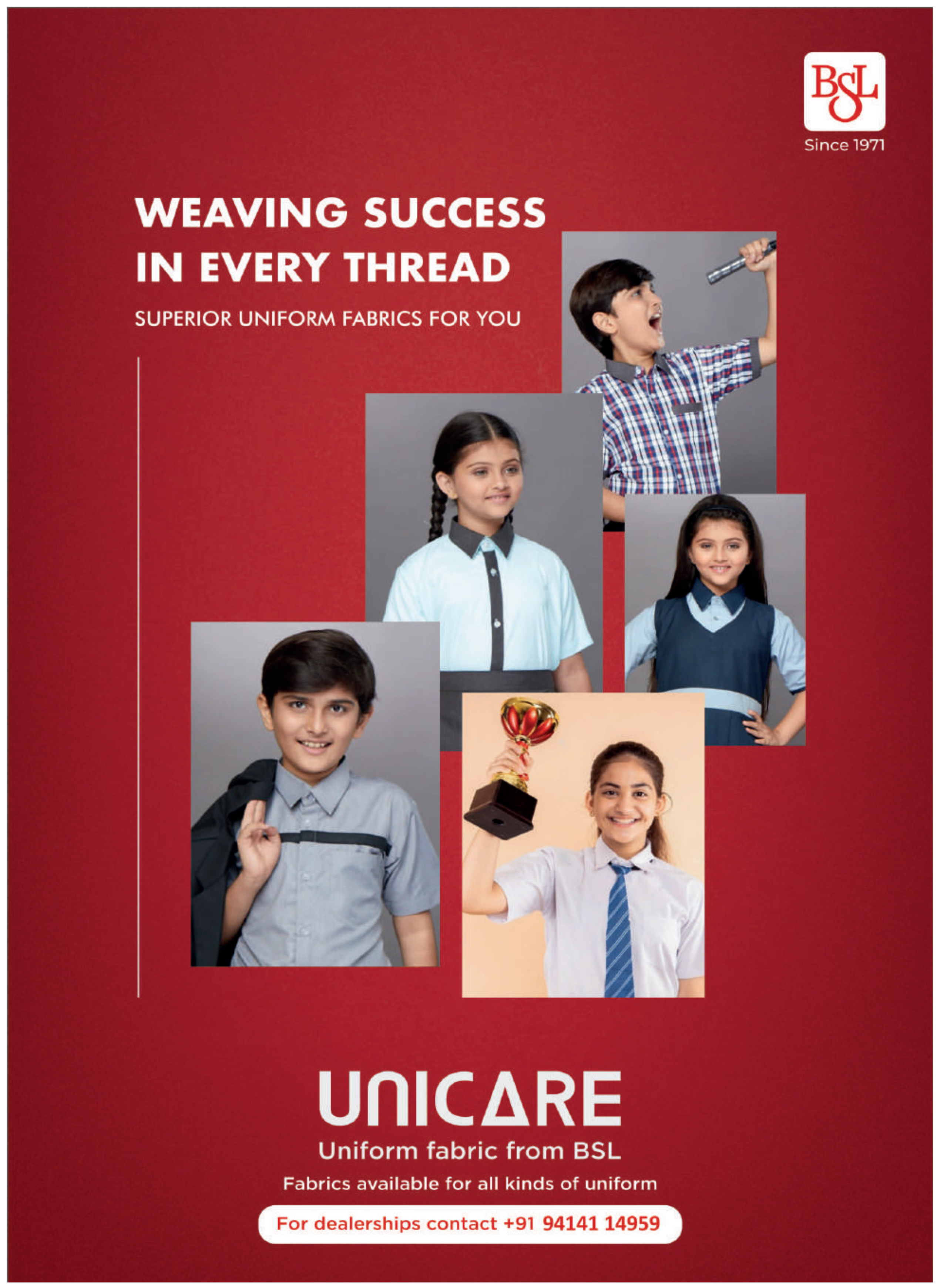

स्वत्वाधिकारी एसएसएस मीडिया पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि. की तरफ से मुद्रक एवं प्रकाशक योगेन्द्र शर्मा के लिए डी.बी. कॉर्प लि., 10, जेएलएन मार्ग, जयपुर, (भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर) से मुद्रित एवं सी-127, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक-योगेन्द्र शर्मा।

CHOOSE FROM OUR EXCLUSIVE SHIRTING, SUITING & GIFTING FABRICS

+ 912240750601
sales@ginitex.com (Domestic)
umesh@ginitex.com (International)

FOR TRADE ENQUIRIES
Jitender Bachhawat - 9930031999

linkedin facebook instagram

/ginifabricsofficial/
/ginifabricsofficial
/company/ginifabrics/

22 जुलाई से 6 अगस्त, 2025

SINCE 1998

टेक्सटाइल वर्ल्ड Corporate

रमेश शर्टिंग की ऑल इण्डिया रिटेल कॉन्फ्रेंस भैरहवा नेपाल में

शर्टिंग गारमेण्ट एवं कॉटन साड़ी का भव्य डिस्प्ले

मुम्बई/ शर्टिंग फैब्रिक के प्रख्यात ब्राण्ड **'रमेश शर्टिंग'** की उत्पादक कम्पनी गाडोदिया सिन्टेक्स प्रा. लि. द्वारा आगामी सीजन को ध्यान में रखते हुए अपनी 11वीं ऑल इण्डिया रिटेल कॉन्फ्रेंस नेपाल के भैरहवा में होने जा रही है। यह क्षेत्र टाइगर रिर्जव फॉरेस्ट के लिए जाना जाता है।

कम्पनी के डायरेक्टर श्री रमेश गाडोदिया ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस के दौरान कम्पनी द्वारा शर्टिंग फैब्रिक में नये डवलपमेण्ट फैंसी, लिनन, कॉटन, डोबीज, प्लेन, एम्ब्रॉयडरी, जैकार्ड, गारमेण्ट ब्राण्ड मोन्टेरो में डेनिम जींस, ट्राउजर, फॉर्मल एवं कैजुअल शर्ट, कॉटन साड़ी ब्राण्ड गणगौर में साड़ी की विस्तृत रेंज का भव्य डिस्प्ले किया जाएगा। इस दौरान देशभर से रिटेल व्यापारी इस कॉन्फ्रेंस में शिकरत करेंगे।

नेपाल में व्यापारी लेंगे आनन्द

नेपाल के पास ही भैरहवा जो टाइगर रिजर्व फॉरेस्ट के लिए जाना जाता है। यह बहुत लुभावनी जगह है। यहाँ व्यापारियों के कैसीनो तथा नेपाल की प्राकृतिक सुन्दरता देखने का मौका मिलेगा।

CMAI में मोन्टेरो ब्राण्ड का भव्य डिस्प्ले

श्री दिनेश गाडोदिया ने बताया कि कम्पनी के गारमेण्ट ब्राण्ड मोन्टेरो भारत की तमाम मण्डियों में अपनी पहुँच बनाई है। हाल ही भारत के सबसे बड़े गारमेण्ट फेयर CMAI द्वारा 14 से 16 जुलाई 2025 को आयोजित फेयर में अपने ब्राण्ड का जबरदस्त प्रदर्शन किया। इस ब्राण्ड को लेकर कम्पनी काफी उत्साहित नजर आई है। मोन्टेरो ब्राण्ड में कैज़ुअल एवं फॉर्मल शर्ट, ट्राउजर, डेनिम जींस का जबरदस्त डिस्प्ले किया गया, जिसे बाहर से आए व्यापारियों ने जबरदस्त सराहा।

शानदार एवं धमाकेदार एथनिक वियर ब्राण्ड Jugg jugg jeeyo Kuch apna sa... की रेंज

CMAI द्वारा आयोजित गारमेण्ट फेयर में प्रदर्शित किए आकर्षक उत्पाद

मुम्बई/ गारमेण्ट सेक्टर के विख्यात दी क्लॉथिंग मैन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (CMAI) द्वारा आयोजित 81वे गारमेण्ट फेयर जो 14 से 16 जुलाई 2025 को गोरेगाँव एग्जीबिशन सेंटर में आयोजित किया गया जहाँ गारमेण्ट सेक्टर से लेकर एथनिक वियर ब्राण्ड द्वारा अपने उत्पादों का जबरदस्त प्रदर्शन किया गया। इस फेयर में मुम्बई के प्रतिष्ठित एथनिक वियर ब्राण्ड जुग जुग जियो द्वारा अपने उत्पादों की शानदार रेंज भी प्रदर्शित की गई जो वाकई में देखने लायक थी।

कम्पनी के डायरेक्टर श्री सुनील टिबरेवाल ने बताया कि जुग जुग जियो आधुनिक फैशन का निर्माण कर रहा है। इसके कलेक्शन स्टाइलिश होने के साथ-साथ अनेक गुणवत्ता लिए हुए हैं। जब हम इस ब्राण्ड के साथ जुड़ते हैं तो हमें अपना सा अनुभव होता है कि आज हर अवसर विशेष पर एथनिक वियर का क्रेज दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। इस ब्राण्ड के अंतर्गत कुर्ता-पायजामा, शेरवानी, मोदी, जैकेट जो हल्दी, मेहंदी, फेरे, रिसेप्शन एवं आगामी गणेश पूजा, दुर्गा पूजा, दिवाली एवं शादी विवाह के सीजन पर विशेष रेंज तैयार की है जो हमेशा उपलब्ध मिलेगी।

श्री टिबरेवाल ने बताया कि इस फेयर में हमारे द्वारा एथनिक की पूरी रेंज का जबरदस्त डिस्प्ले किया गया, जिसमें रेशमी, कॉटन, लिनन, चिकन वर्क, रिगल आदि फैब्रिक से निर्मित गारमेण्ट की रेंज प्रदर्शित की गई, जो सभी को बहुत पसंद आई, क्योंकि जुग जुग जियो के प्रत्येक कलेक्शन को सर्वश्रेष्ठ डिजाइनरो द्वारा निर्मित किया गया जिन्हें फैब्रिक की बारीक तकनीक में महारत हासिल है। इसकी बनावट एवं बारीकियां हर त्योहार को दर्शाती है। हमारे यह सभी कलेक्शन फैशन पसंद हर आयु वर्ग के उपभोक्ताओं को एक नया अहसास देते हैं। हम प्रतिबद्ध है कि यह ब्राण्ड आपको हर विशेष अवसर पर एक कदम आगे की ओर लेकर चलेगा।

व्यापारियों से मिला अच्छा समर्थन

CMAI फेयर के दौरान देश-विशेष से अनेक व्यापारियों ने जुग जुग जियो की स्टॉल पर विजिट किया और फैब्रिक की रेंज देखकर काफी प्रभावित हुए। व्यापारियों द्वारा कम्पनी के गारमेण्ट की रेंज को बहुत बारीकी से जानकारी प्राप्त की एवं इस ब्राण्ड को और ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए प्रोत्साहित किया।

गारमेण्ट हब दादर के सीगमा इस्टेट A1 में नये ऑफिस का शुभारंभ

कम्पनी के डायरेक्टर श्री अंकित टिबरेवाल ने बताया कि कम्पनी के इस एथनिक वियर ब्राण्ड जुग जुग जियो की बढ़ती लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए कम्पनी द्वारा गारमेण्ट हब दादर के सीगमा इस्टेट A1 में नये ऑफिस का शुभारंभ किया, जहाँ एथनिक वियर की संपूर्ण रेंज आपको देखने को मिलेगी। विदित रहे कि यह ब्राण्ड कम्पनी के Qmax world (सुनील टिबरेवाल ग्रुप कम्पनीज) का है। Qmax world ने आज भारत की तमाम मण्डियों में अपने यूनिफॉर्म फैब्रिक के दम पर पहचान कायम की है। यूनिफॉर्म फैब्रिक में नित नयी क्वालिटियों एवं डवलपमेण्ट के लिए यह जाना जाता है।

From The House of Qmax WORLD
SUNIL TIBREWAL GROUP COMPANY

सूरत ड्रीम्स › इंटरनेशनल एथनिक एक्सपो-2025

वूमन्स फैशन के लिए भारत का सबसे बड़ा B2B ग्लोबल प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली / सत्यप्रकाश... भारतीय वूमन्स फैशन इंडस्ट्री के सबसे प्रतिष्ठित, बहुप्रतीक्षित और प्रभावशाली B2B आयोजन – इंटरनेशनल एथनिक एक्सपो (IEE-2025) का आयोजन 12-13 अगस्त 2025 को इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा (दिल्ली-NCR) में किया जा रहा है। इस आयोजन के पीछे की प्रेरक शक्ति है- सूरत ड्रीम्स, जो लगातार कई वर्षों से IEE को भारत के अग्रणी फैशन व्यापार मंच के रूप में स्थापित कर चुकी है। यह केवल एक एक्सपो नहीं, बल्कि वूमन्स फैशन इंडस्ट्री के लिए सीजन की शुरूआत और व्यापारिक दिशा निर्धारण का सबसे सशक्त मंच बन चुका है। IEE-2025 एक ऐसा मंच है, जहाँ देश-विदेश के बायर्स और भारत के टॉप वूमेन्स फैशन ब्राण्ड्स एक साथ आते हैं। यह आयोजन सिर्फ एक्सपो नहीं, बल्कि एक ऐसा वातावरण बनाता है जहाँ व्यापार होता है, सशक्त नेटवर्किंग होती है और फैशन उद्योग का भविष्य तय होता है।

वूमेन्स फैशन इंडस्ट्री का सबसे बड़ा आयोजन : IEE-2025 खासतौर पर वूमन्स वियर सेगमेंट को समर्पित है। इसमें साड़ी, सूट, कुर्ती, लहंगा, रेडीमेड गारमेण्ट्स और वैल्यू एडेड फैब्रिक की लेटेस्ट व ट्रेंडी रेंज प्रदर्शित की जाएगी। यह आयोजन भारत की फैशन विविधता, परंपरा और नवाचार का सजीव उदाहरण होगा।

400+ एग्जीबिटर्स और पूरे भारत की भागीदारी : सूरत, मुम्बई, दिल्ली, जयपुर, अहमदाबाद, कोलकाता, लुधियाना और वाराणसी जैसे प्रमुख टेक्सटाइल हब्स से 400+ वूमन्स फैशन इंडस्ट्री के टॉप, ट्रेंडी और फैशनेबल ब्राण्ड्स एवं मैन्युफेक्चरर्स एग्जीबिटर्स के रूप में भाग लेंगे, जो आगंतुक बायर्स के समक्ष अपने नवीनतम कलेक्शंस और फैशन इनोवेशन का शानदार प्रदर्शन करेंगे। यह प्लेटफॉर्म रिटेलर्स, ट्रेडर्स और एजेंट्स के लिए पूरे सीजन की खरीदी और रणनीति तैयार करने का सबसे मजबूत अवसर बनता है।

30,000+ डोमेस्टिक एवं इंटरनेशनल बायर्स : IEE अब एक ग्लोबल फैशन ट्रेड शो का रूप ले चुका है। इस वर्ष 30,000 से अधिक बायर्स के शामिल होने की संभावना है। भारत के साथ U.S., U.K., बांग्लादेश, मलेशिया, श्रीलंका, नेपाल जैसे देशों से इंटरनेशनल बायर्स की भागीदारी इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त मंच बनाती है।

वन-स्टॉप सोर्सिंग सॉल्यूशन : IEE-2025 उन व्यापारियों के लिए वन-स्टॉप सॉल्यूशन है, जो इनोवेटिव, क्वालिटी और ट्रेंडी वूमेन्स वियर की सोर्सिंग करना चाहते हैं। फैब्रिक हो या रेडीमेड, ट्रेडिशनल हो या फ्यूजन हर रेंज, हर जरूरत यहाँ पूरी होती है।

सप्लायर्स से रिटेलर्स तक - एक मजबूत नेटवर्किंग मंच : यह आयोजन सप्लायर्स, होलसेलर्स और रिटेलर्स को जोड़ने वाला सबसे महत्त्वपूर्ण नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म है। हर साल देशभर के ट्रेडर्स, एजेंट्स और डीलर्स इस इवेंट का इंतजार करते हैं, ताकि ब्राण्ड्स के लेटेस्ट कलेक्शंस, नए ट्रेंड्स और व्यापारिक संभावनाओं का लाभ उठा सकें। इस आयोजन में आमंत्रित व्यापारियों को एयर टिकट, लग्जरी होटल स्टे जैसी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं, जिससे उन्हें एक व्यावसायिक रूप से अनुकूल और कंफर्टेबल माहौल में नेटवर्किंग और व्यापार विस्तार का अवसर मिलता है। कुल मिलाकर यह आयोजन पूरी तरह से B2B बिजनेस मॉडल पर केंद्रित है, जो न केवल ट्रेंड सेट करता है, बल्कि ब्राण्ड्स और बायर्स को व्यावसायिक रूप से जोड़ता है। यहाँ भारत का वूमन्स फैशन उद्योग वैश्विक व्यापार से जुड़ता है, संबंध बनते हैं और व्यापार बढ़ता है।

'टेक्सटाइल का महाकुंभ' 12-13 अगस्त को ग्रेटर नोएडा में

श्री विशाल राठी

सूरत ड्रीम्स-IEE : वूमन्स फैशन का सबसे प्रतिष्ठित आयोजन -श्री विशाल राठी

भारत के वस्त्र उद्योग में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले Aditya Group - Gopani Agencies वर्ष 1995 से ग्राहकों की सेवा में समर्पित है। इन तीन दशकों में एजेंसीज ने न केवल एक सशक्त नेटवर्क खड़ा किया है, बल्कि 5000+ संतुष्ट ग्राहकों, 8000+ पैन इंडिया सप्लायर्स और 125+ कुशल टीम सदस्यों के सहयोग से एक प्रेरणादायक सफलता की गाथा भी रची है। ग्राहकों को श्रेष्ठ गुणवत्ता के वस्त्र उत्पादों और सेवाओं की डिलिवरी के कारण आज इन एजेंसीज का ग्राहक नेटवर्क भारत तक सीमित न रहकर दुबई, यूके, यूएस, बांग्लादेश, नेपाल सहित कई अन्य देशों तक फैला है।

Aditya Group एवं Gopani Agencies निम्नलिखित वस्त्र श्रेणियों में विशेषज्ञता रखते हैं: फैब्रिक्स, एम्ब्रॉयडरी, डिजिटल, गारमेंट्स, साड़ियाँ, लहंगे, कुर्ती, ड्रेस मटीरियल, दुपट्टा, मेन्स एथनिक वियर, रेडीमेड, निटिंग्स, होम फर्निशिंग, टेक्निकल टेक्सटाइल, विस्कोस-नायलॉन-ग्रे फैब्रिक्स इत्यादि की आपूर्ति की जा रही है।

इंटरनेशनल एथनिक एक्सपो में सक्रिय भागीदारी : Aditya Group एवं Gopani Agencies सूरत ड्रीम्स द्वारा दिल्ली में आयोजित 'इंटरनेशनल एथनिक एक्सपो' के एसोसिएट एजेंट के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। एजेंसीज के ऑनर श्री विशाल राठी ने बताया कि IEE वस्त्र उद्योग में B2B नेटवर्किंग का एक श्रेष्ठ उदाहरण है। यह आयोजन पूरे भारत के शीर्ष वूमन्स फैशन ब्राण्ड्स को एक मंच पर लाने का कार्य करता है। हर साल फेस्टिव सीजन की शुरूआत में यह एक्सपो व्यापारियों को नवीनतम फैशन ट्रेंड्स व इनोवेशन से रूबरू कराता है, जिससे उन्हें अपने व्यवसाय के लिए नए परिधानों की सोर्सिंग का अवसर मिलता है।

श्री दिनेश आडतिया

सूरत ड्रीम्स-IEE : इंडिया की सबसे बेस्ट एग्जीबिशन -श्री दिनेश आडतिया

सूरत के वस्त्र व्यापार में वर्षों से सक्रिय और विश्वसनीय टेक्सटाइल एजेंसी 'आडतिया ब्रदर्स' देशभर के व्यापारियों के लिए साड़ी, लहंगे, कुर्तियां, ड्रेस मटीरियल और रेडीमेड गारमेण्ट्स की आपूर्ति करती है। इस एजेंसी के प्रमुख श्री दिनेश आडतिया एक अनुभवी टेक्सटाइल एजेंट हैं, जो वूमन्स वियर की सोर्सिंग और बाजार नेटवर्किंग में गहरी समझ रखते हैं। 'आडतिया ब्रदर्स' सूरत के कई अग्रणी फैशन ब्राण्ड्स के साथ कार्य करती है और देशभर में कपड़ा व्यापारियों के लिए एक भरोसेमंद चैनल के रूप में स्थापित है।

एक बेहतरीन B2B ब्राण्डिंग और सोर्सिंग प्लेटफॉर्म : सूरत ड्रीम्स द्वारा आयोजित "International Ethnic Expo (IEE -2025)" को लेकर श्री दिनेश आडतिया ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि IEE पेन इंडिया एग्जीबिशन है, जो वूमन्स वियर ब्राण्ड्स और मैन्युफेक्चरर्स के लिए ब्राण्डिंग का शानदार प्लेटफॉर्म है। देशभर से हजारों व्यापारी, एजेंट्स और डीलर्स इस आयोजन में भाग लेते हैं। यह सप्लायर्स और बायर्स के लिए बड़ा अवसर है। यहाँ सप्लायर्स को ब्राण्डिंग और मार्केट एक्सपोजर मिलता है, जबकि बायर्स को पूरे भारत के वूमन्स वियर ब्राण्ड्स से एक ही स्थान पर सोर्सिंग करने का मौका मिलता है।"

श्री आडतिया के अनुसार यह इवेंट खासतौर पर करवा चौथ, दुर्गा पूजा, दिवाली और वेडिंग सीजन को ध्यान में रखते हुए व्यापार की योजना और स्टॉकिंग शुरू करने का सही समय है। IEE टेक्सटाइल व्यवसायियों के लिए एक उत्कृष्ट B2B नेटवर्किंग मंच है, जो उन्हें देशभर के खरीददारों से जोड़ता है और व्यापार को नई ऊँचाई देने का अवसर प्रदान करता है।"

श्री शंकर वाधवानी

सूरत ड्रीम्स-IEE 2025 : टेक्सटाइल उद्योग को जोड़ने वाला प्रभावी मंच -श्री शंकर वाधवानी

फर्म 'बाशोमल मेघराज' जो बीते पाँच दशकों से वूमेन्स वियर मार्केटिंग में विश्वसनीयता और गुणवत्ता का पर्याय बना हुआ है। इस प्रतिष्ठित एजेंसी की नींव स्व. श्री लेखराज वाधवानी ने रखी थी। उनका दूरदर्शी दृष्टिकोण और टेक्सटाइल मार्केट की गहरी समझ ने एक ऐसी संस्था की शुरूआत की, जिसने आने वाले वर्षों में हजारों ग्राहकों और व्यापारिक साझेदारों का विश्वास जीता। उनकी विरासत को आगे बढ़ाया उनके सुपुत्र श्री हेमंत वाधवानी और श्री शंकर वाधवानी (शंकुभाई) ने, जिन्होंने अपने मिलनसार स्वभाव, कार्यनिष्ठा और बाजार की समझ से 'बाशोमल मेघराज' को सूरत के टॉप वूमेन्स वियर ब्राण्ड्स के साथ जोड़कर उसे राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित कर दिया। वर्तमान में एजेंसी तीन प्रमुख फर्मों के अंतर्गत काम कर रहीं है। बाशोमल मेघराज, लेखराज जतिन कुमार और साहिल टेक्सटाइल्स, जिनके माध्यम से साड़ियों, सूट्स, लहंगों, कुर्तियों और अन्य वूमेन्स एथनिक वियर की अखिल भारतीय मार्केटिंग की जाती है।

दिल्ली में आयोजित होने वाले International Ethnic Expo (IEE)-2025 के संदर्भ में श्री शंकर वाधवानी ने कहा कि 'सूरत ड्रीम्स द्वारा दिल्ली में आयोजित किया जा रहा IEE-2025 टेक्सटाइल व्यवसाय में B2B ट्रेड नेटवर्किंग का उत्कृष्ट आयोजन है। इसके हर साल के आयोजन को लेकर देशभर के व्यापारियों में खासा उत्साह होता है। यह मंच सूरत सहित पूरे भारत के प्रमुख फैशन ब्राण्ड्स को देशभर के वास्तविक और प्रमुख खरीददारों से जोड़ता है। इस प्रकार के आयोजन वूमेन्स वियर इंडस्ट्री को नई दिशा देने वाले हैं और हम इसका हिस्सा बनकर गर्व महसूस करते हैं।'

श्री दिलीप खूबचंदानी

IEE : वूमेन्स फैशन इंडस्ट्री का सबसे बड़ा बिजनेस प्लेटफॉर्म -श्री दिलीप खूबचंदानी

K. Dilip Konnect Pvt. Ltd., सूरत की प्रतिष्ठित टेक्सटाइल एजेंसी है, जो शहर के टॉप वूमन्स वियर ब्राण्ड्स के साथ कार्य करती है। एजेंसी के संचालक श्री दिलीप खूबचंदानी का मानना है कि सूरत ड्रीम्स द्वारा आयोजित 'इंटरनेशनल एथनिक एक्सपो (IEE) आज वूमन्स फैशन जगत का सबसे बड़ा और प्रभावी इवेंट बन चुका है।

श्री खूबचंदानी कहते हैं– 'अगर किसी ब्राण्ड या मैन्युफेक्चरर को नए बायर्स से जुड़ना है, तो IEE सबसे उपयुक्त प्लेटफॉर्म है।' IEE की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसकी आयोजक सूरत ड्रीम्स टीम के पास पूरे भारत के व्यापारियों का विस्तृत और मजबूत डेटा बेस है। इस बार यह आयोजन इंटरनेशनल लेवल पर हो रहा है, जिसमें एग्जीबिटर्स को ओवरसीज बायर्स से भी जुड़ने का मौका मिलेगा।

श्री दिलीप खूबचंदानी आगे कहते हैं– 'किसी भी कम्पनी को यदि अपनी ब्राण्डिंग मजबूत करनी है, नए नेटवर्क खड़े करने हैं या मार्केट विस्तार करना है, तो IEE में जरूर भाग लेना चाहिए। साथ ही टेक्सटाइल व्यापार से जुड़े व्यापारियों को भी अपने बिजनेस के लिए इसमें विजिट जरूर करना चाहिए।'

सूरत ड्रीम्स टीम बायर्स के लिए जिस तरह की सुविधाएं, नेटवर्किंग का वातावरण और कंफर्टेबल एक्सपीरियंस देती है, वह अन्य आयोजनों की तुलना में कहीं बेहतर है। IEE में व्यापारियों को एक ही स्थान पर पैन इंडिया ब्राण्ड्स के इनोवेशंस देखने, नए प्रॉडक्ट्स समझने और सीधे ब्राण्ड्स से जुड़ने का सशक्त अवसर मिलता है। यहीं वजह है कि आज IEE, सप्लायर्स और बायर्स को जोड़ने वाला सबसे प्रभावी बिजनेस प्लेटफॉर्म बन चुका है।

श्री साकेत जालान

सूरत ड्रीम्स : सप्लायर्स और बायर्स को जोड़ने वाला मजबूत टेक्सटाइल प्लेटफॉर्म -श्री साकेत जालान

सूरत ड्रीम्स द्वारा आयोजित IEE - एग्जीबिशन आज देश के वूमेन्स वियर उद्योग के लिए एक ऐसा मंच बन चुका है, जहाँ सप्लायर्स और बायर्स के बीच नए बिजनेस रिलेशन बनते हैं और व्यापार को नई दिशा मिलती है। यह कहना है सूरत की जानी मानी टेक्सटाइल एजेंसी 'रमन सिंथेटिक्स' के संचालक श्री साकेत जालान का, जो वर्षों से साड़ी, सूट्स, लहंगें और लेडीज गारमेण्ट्स की ऑल ओवर इंडिया सप्लाई में सक्रिय हैं। श्री जालान ने बताया कि 'रमन सिंथेटिक्स' का साड़ी, सूट्स, लहंगें, लेडीज गारमेण्ट्स की विस्तृत रेंज पूरे भारत में संतोषजनक डिलिवरी और नेटवर्क स्थापित है। श्री जालान कहते है, ट्रस्ट, लॉयल्टी, सर्विस और क्वालिटी उनके बिजनेस के मूलमंत्र है।

सूरत ड्रीम्स क्यों है खास- श्री साकेत जालान के अनुसार, 'सूरत ड्रीम्स द्वारा आयोजित IEE न सिर्फ एक एग्जीबिशन है, बल्कि यह ऐसा बिजनेस प्लेटफॉर्म है जहाँ नए व्यापारी, सप्लायर्स और ब्राण्ड्स एक साथ मिलते हैं। यहाँ व्यापारियों को देशभर के वूमेन्स वियर ब्राण्ड्स की नवीनतम रेंज एक ही छत के नीचे देखने और अपनी जरूरत के मुताबिक सोर्सिंग करने का अवसर मिलता है।' यहाँ बायर्स को वूमन्स वियर ब्राण्ड्स की नई रेंज की प्रदर्शनी, बायर्स और सप्लायर्स के लिए सीधा संवाद, देशभर के व्यापारियों के साथ नेटवर्किंग, टेक्सटाइल व्यवसाय को बढ़ाने का सुनहरा अवसर मिलता है। श्री साकेत जालान का मानना है कि 'सूरत ड्रीम्स टेक्सटाइल व्यवसाय के लिए एक प्रभावशाली प्लेटफॉर्म है, जो भारत के वूमन्स वियर ब्राण्ड्स को एक मंच पर लाता है। वहीं दुनियाभर के व्यापारियों को कम्पलीट वूमन्स वियर की रेंज और निर्माताओं से मिलने का सुनहरा मौका देता है।'

श्री पंकज कुमार पांडे

सूरत ड्रीम्स - IEE: वूमेन्स वियर की सोर्सिंग का सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म -श्री पंकज कुमार पांडे

साड़ी, सूट, लहंगें और वूमेन्स वियर फैब्रिक की आपूर्ति में अग्रणी सूरत की प्रतिष्ठित 'पंकज टेक्सटाइल एजेंसी' ने देशभर में अपनी मजबूत पकड़ बनाई है। श्री पंकज कुमार पांडे और श्री राहुल पांडे के नेतृत्व में यह एजेंसी वेस्ट बंगाल, बांग्लादेश, साउथ इंडिया और नॉर्थ इंडिया में होलसेल और बड़े रिटेल व्यापारियों को माल की आपूर्ति करती है।

सूरत ड्रीम्स के संदर्भ में श्री पंकज कुमार पांडे ने कहा कि सूरत ड्रीम्स के नेतृत्व में दिल्ली में आयोजित होने वाला IEE (International Ethnic Expo) वूमेन्स वियर व्यापार के लिए एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। IEE वास्तव में एक सुपर इवेंट है। इसमें देशभर के बड़े ब्राण्ड्स अपने-अपने नए प्रॉडक्ट्स इंट्रोड्यूस करते हैं। ग्राहकों और व्यापारियों के लिए यह एक बेहतरीन अवसर है, जहाँ आगामी सीजन की सोर्सिंग सहजता से हो जाती है। पूरे भारत के टॉप ब्राण्ड्स का रिव्यू एक ही जगह मिल जाता है। मेरे अनुसार यह 'वन वर्ल्ड' है, जहाँ वूमन्स वियर के बड़े ब्राण्ड और ट्रेडर्स-रिटेलर्स मिलकर अपने संस्थान के लिए नई संभावनाओं की तलाश करते हैं।'

'पंकज टेक्सटाइल एजेंसी' सूरत ड्रीम्स जैसे आयोजनों के जरिए वूमेन्स वियर सेगमेंट में अपनी उपस्थिति को लगातार सशक्त बना रहीं है। ऐसे आयोजन व्यापार जगत के लिए नए अवसरों के द्वार खोलते हैं और पूरे भारत के व्यापारियों को जोड़ते हैं।

श्री कृणाल शाह

IEE : सूरत ड्रीम्स एथनिक वियर फैशन का प्रभावी आयोजन -श्री कृणाल शाह

सूरत ड्रीम्स द्वारा आयोजित इंटरनेशनल एथनिक एक्सपो (IEE) एक बेहद प्रभावी और व्यावसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण आयोजन बन चुका है। वूमेन्स वियर के कारोबार से जुड़े व्यापारियों के लिए IEE एक ऐसा मंच है, जो देशभर के बायर्स और सप्लायर्स को जोड़ने का काम करता है।

KRUNAL SHAH AGENCY, जो वूमन्स एथनिक और मेन्स एथनिक वियर के कारोबार में सक्रिय है, पिछले कई वर्षों से इस आयोजन में हिस्सा ले रही है।

श्री कृणाल शाह के अनुसार – "सूरत ड्रीम्स द्वारा आयोजित IEE ने हमारे व्यापार को एक नई दिशा दी है। वर्ष 2020 से हम इस आयोजन में भाग ले रहे हैं और इसका हमें अच्छा परिणाम मिला है। सूरत ड्रीम्स से जुड़ने के बाद हमारी एजेंसी को एक नई पहचान मिली है। नए बायर्स और सप्लायर्स से सीधा कनेक्शन बना है।"

IEE - एक पेन इंडिया प्लेटफॉर्म : IEE का आयोजन विशेष रूप से वूमन्स और मेन्स एथनिक वियर इंडस्ट्री के लिए किया जाता है। भारत के विभिन्न शहरों से लेकर नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, दुबई जैसे पड़ोसी देशों से भी बायर्स इस आयोजन में आते हैं। कृणाल शाह एजेंसी के लिए यह इवेंट नए व्यापारिक रिश्ते बनाने का एक शानदार अवसर बन गया है।

सूरत ड्रीम्स की खासियत : IEE की आयोजक टीम सूरत ड्रीम्स की सबसे बड़ी खूबी इसकी मेहमाननवाजी है। आमंत्रित बायर्स को फ्लाइट टिकट, लग्जरी होटल स्टे और व्यापार के अनुकूल नेटवर्किंग माहौल प्रदान किया जाता है। यह इवेंट पूरी तरह से B2B (बिजनेस टू बिजनेस) नेटवर्किंग पर केंद्रित होता है।

श्री निहाल चंद जैन

सूरत ड्रीम्स - IEE : टेक्सटाइल व्यापारियों के लिए नेटवर्किंग और ग्रोथ का सुपर प्लेटफॉर्म -श्री निहाल चंद जैन

सूरत की प्रतिष्ठित फर्म सिद्धार्थ फैब टेक्स प्रा. लि. वर्ष 1993 से टेक्सटाइल व्यवसाय में सक्रिय है। कम्पनी के डायरेक्टर श्री निहालचंद जैन सूरत में आढ़त सिस्टम से कारोबार करते हैं और ऑल टाइप लेडीज सूट फैब्रिक्स एवं सलवार सूट की आपूर्ति करते हैं। इनका व्यापारिक नेटवर्क मुख्यतः कोलकाता और बांग्लादेश तक फैला हुआ है।

सूरत ड्रीम्स - IEE के प्रति सिद्धार्थ फैब टेक्स की राय : श्री निहालचंद जैन का कहना है – 'हम सूरत ड्रीम्स के साथ तब से जुड़े हैं जब से इन्होंने अपने इवेंट्स की शुरूआत की थी। इनका मैनेजमेंट बहुत अच्छा है और व्यापारियों के लिए मेहमाननवाजी का स्तर भी शानदार रहता है। IEE (International Ethnic Expo) एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहाँ सप्लायर और बायर्स के बीच सीधे संवाद की सुविधा मिलती है। यहाँ देशभर के बड़े ब्राण्ड्स और अनुभवी व्यापारी एक ही छत के नीचे मिलते हैं।' इस बार के IEE में बांग्लादेश से हमारे 100 से अधिक बायर्स आने वाले हैं, जो सूरत ड्रीम्स के दिल्ली आयोजन में शिरकत करेंगे।

श्री जैन ने आगे कहा – 'हर साल की तरह इस बार भी IEE सुपरहिट रहने वाला है। मेरा तो यह मानना है कि हर कपड़ा व्यापारी को इस इवेंट में जरूर विजिट करना चाहिए। यह नए व्यापारिक संबंधों और संभावनाओं का सबसे अच्छा प्लेटफॉर्म है।' सूरत ड्रीम्स - IEE का उद्देश्य पूरे टेक्सटाइल उद्योग को एक मंच पर लाना है, जहाँ बायर्स और मैन्युफेक्चरर्स सीधा संवाद कर सकें।

श्री मांगीलाल राठी

सूरत ड्रीम्स - IEE : टेक्सटाइल व्यवसाय में नई संभावनाओं का केंद्र -श्री मांगीलाल राठी

साड़ी, सूट, लहंगें और रेडीमेड सूट में टॉप ब्राण्ड्स की मार्केटिंग में सक्रिय सूरत की प्रतिष्ठित फर्म 'राजू टेक्सटाइल एजेंसी' उत्तर भारत के प्रमुख बाजारों में अपनी मजबूत पहचान रखती है। एजेंसी के ऑनर श्री मांगीलाल राठी दिल्ली, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखंड, राजस्थान, उत्तराखंड आदि राज्यों में सूरत में निर्मित वूमेन्स फैशन वियर प्रॉडक्ट्स की आपूर्ति कर रहे हैं।

सूरत ड्रीम्स - IEE के प्रति विश्वास : श्री मांगीलाल राठी कहते हैं –

'हम कई वर्षों से सूरत ड्रीम्स से जुड़े हुए हैं। दिल्ली में आयोजित होने वाला IEE (International Ethnic Expo) हमारे लिए व्यापार का बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। यहाँ एक ही छत के नीचे नए और पॉपुलर ब्राण्ड्स और पूरे भारत के व्यापारियों से सीधे संवाद का अवसर मिलता है। टेक्सटाइल बिजनेस से संबंधित हर प्रकार की जानकारी मिलती है और आगामी सीजन की तैयारी यहीं से हो जाती है।'

राजू टेक्सटाइल एजेंसी Wholesale और Retail दोनों तरह के व्यापारियों के लिए साड़ी, सूट, लहंगें और रेडीमेड सूट की गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति करती है।

श्री राठी ने कहा कि सूरत ड्रीम्स - IEE जैसे आयोजनों से जुड़कर एजेंसी लगातार अपने व्यापारिक दायरे को विस्तार दे रही है।

ORGANIZED BY Surat Dreams® | IEE INTERNATIONAL ETHNIC EXPO | 12-13 AUG-2025 INDIA EXPO MART Knowledge Park II, Greater Noida, Delhi.

सूरत बना टेक्सटाइल कारोबार का हॉटस्पॉट

WEAVE KNITT-2025 एग्जीबिशन में 500 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस, तीन दिन में आए 11,885 विजिटर्स

देशभर के 1,000 से ज्यादा बायर्स ने ग्रे फैब्रिक, साड़ी और होम फर्निशिंग में दिए लाखों मीटर के ऑर्डर

सूरत/ सत्य प्रकाश... दी साउदर्न गुजरात चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (SGCCI) और साउदर्न गुजरात चेंबर ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज डवलपमेण्ट सेंटर द्वारा आयोजित वीवनिट एक्जीबिशन - 2025 का तीन दिवसीय आयोजन 18 से 20 जुलाई 2025 तक सरसाणा स्थित सूरत इंटरनेशनल एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। तीन दिनों में देशभर के कपड़ा व्यापारियों, कॉर्पोरेट हाउस के परचेज मैनेजर्स और टेक्सटाइल उद्योग से जुड़े करीब 11,885 विजिटर्स ने प्रदर्शनी में भाग लिया। सूरत के साथ-साथ भारत की प्रमुख कपड़ा मण्डियों से आए 1,000 से ज्यादा बड़े बायर्स ने लाखों मीटर ग्रे फैब्रिक, साड़ी और होम फर्निशिंग के ऑर्डर दिए, जिससे प्रदर्शनी में भाग लेने वाले एग्जीबिटर्स को लगभग 500 करोड़ रूपये से ज्यादा का कारोबार मिला। वीवनिट एक्जीबिशन 2025 ने टेक्सटाइल इंडस्ट्री को एक नई ऊर्जा दी है। यह आयोजन सूरत को टेक्सटाइल हब के रूप में नई ऊँचाइयों पर ले जाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ है।

देशभर के बायर्स ने दिखाई गहरी रुचि: मुम्बई, दिल्ली, इंदौर, जयपुर, पुणे, बनारस, ग्वालियर, हैदराबाद, बैंगलुरू, चंडीगढ़, लुधियाना, कोलकाता, लखनऊ, चेन्नई, कटक जैसी बड़ी कपड़ा मण्डियों के बायर्स ने इस एग्जीबिशन में हिस्सा लिया। इन बायर्स ने विशेष रूप से एयरजेट के प्लेन विस्कोस और रेपियर के विस्कोस फैब्रिक में रूचि दिखाई। इसके अलावा वॉटरजेट होम फर्निशिंग फैब्रिक, डोबी फैब्रिक, टॉप डाइड साड़ी, डेनिम और अल्ट्रासोनिक ब्लैकआउट फैब्रिक की भी भारी डिमांड रही।

उद्योग और टेक्नोलॉजी का संगम: एग्जीबिशन में टेक्निकल टेक्सटाइल, रिमोट कंट्रोल वीविंग टेक्नोलॉजी, नई पीढ़ी की निटिंग और वीविंग टेक्निक्स के साथ फैब्रिक मैन्युफेक्चरिंग का लाइव डेमो भी प्रस्तुत किया गया। गोसेतु कम्पनी ने अपने रिमोट कंट्रोल वीविंग सिस्टम का प्रदर्शन किया, जिससे वीवर्स अपने वीविंग मशीन्स को दूर बैठे भी ऑपरेट कर सकते हैं।

हॉस्पिटल और होटल इंडस्ट्री के लिए विशेष प्रकार के फैब्रिक्स : वॉटर रिपेलेंट, एंटी माइक्रोबायल और फायर रिटार्डेंट हॉस्पिटल कर्टेन्स, शावर कर्टेन्स, ड्रेपरी ब्लैकआउट और वाइटआउट फैब्रिक, माइक्रोफाइबर बेडशीट्स, ड्युवेट, कम्फर्टर, डिजिटल प्रिंटेड ब्लैकआउट और अल्ट्रासोनिक ब्लैकआउट फैब्रिक्स की भी भरपूर प्रदर्शनी रही।

पारंपरिक से फ्यूज़न तक - कलेक्शन ने किया आकर्षित : प्रदर्शनी में अग्रणी टेक्सटाइल हाउसेस और डिजाइनर्स ने परंपरागत साड़ियों से लेकर मॉडर्न फ्यूजन गारमेण्ट्स तक का जीवंत कलेक्शन पेश किया। डोला सिल्क, रशियन सिल्क, टिश्यू सिल्क, प्योर विस्कोस, ऑर्गेंजा, मलमल सिल्क, हेवी कॉटन सिल्क, नेचुरल क्रेप, डेनिम, कॉटन ट्विल्स, पॉलिएस्टर वूल, प्योर लिनन ब्लेंड्स जैसी फैब्रिक्स की भी अच्छी डिमांड देखने को मिली।

वीवनिट के उद्घाटन में उद्योग जगत के दिग्गजों की मौजूदगी : उद्घाटन समारोह में बिरला सेलुलोज-ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड के ग्रुप एक्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट श्री मनमोहन सिंह मुख्य अतिथि रहें। उन्होंने कहा, 'भारत में वर्ष 2030 तक प्रतिदिन 2000 टन कॉटन की कमी हो सकती है। ऐसे में विस्कोस और नोडल फाइबर भविष्य की पहली पसंद बनेंगे। सूरत टेक्सटाइल में बड़ा गारमेण्ट हब बनने की ओर अग्रसर है।' गुजरात सरकार के जॉइंट कमिश्नर ऑफ इंडस्ट्रीज श्री डी. एम. जाडेजा ने कहा, 'ऐसे एग्जीबिशन उद्योगों का माइंडसेट बदलते हैं। टेक्नोलॉजी को अपनाकर उद्योगों को आगे बढ़ना होगा। सरकार टेक्सटाइल सेक्टर के हर स्तर पर सहयोग दे रहीं है।'

SGCCI अध्यक्ष श्री निखिल मद्रासी ने बताया, 'वीवनिट एग्जीबिशन सूरत के वीवर्स, निटर्स, टेक्निकल टेक्सटाइल और गारमेण्ट इंडस्ट्री के लिए B2B प्लेटफॉर्म है। हमारा प्रयास टेक्सटाइल उद्योग को नई दिशा देना और युवाओं को बिजनेस से जोड़ना है तथा चेंबर का उद्देश्य - सूरत टेक्सटाइल को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाना है, वहीं आगामी समय में दक्षिण गुजरात के लिए रीजनल वाइब्रेंट गुजरात भी चेंबर और गुजरात सरकार के सहयोग से सूरत में आयोजित किया जाएगा।

प्रमुख पदाधिकारियों की भूमिका : विवनीट के आयोजन में चेंबर के अध्यक्ष श्री निखिल मद्रासी, उपाध्यक्ष श्री अशोक जिरावाला, ऑल एग्जीबिशन चेयरमैन श्री किरण ठूंमर, पूर्व अध्यक्ष श्री विजय मेवावाला, मानद मंत्री श्री बिजल जरीवाला, मानद खजांची सीए मितिष मोदी, को-चेयरमैन श्री निरव मंडलेवाला, वीवनिट के चेयरमैन श्री हरेश पटेल, पूर्व अध्यक्ष श्री हिमांशु बोडावाला, श्री प्रवीन नानावटी और श्री रमेश वघासिया भी उपस्थित रहें। उद्घाटन समारोह का संचालन चेंबर की मैनेजिंग कमिटी सदस्य श्रीमती कृतिकाबेन शाह ने किया।

AMANTA FABRICS LLP की वीवनिट एग्जीबिशन में उम्दा पेशकश : तीनों दिन स्टॉल पर रहीं जबरदस्त रौनक

AMANTA FABRICS LLP ने वीवनिट -2025 एग्जीबिशन में सिल्वर पार्टनर के रूप में भागीदारी निभाते हुए वूमेन्स एथनिक वियर के लिए अपनी खास फैब्रिक रेंज पेश की। कम्पनी के पार्टनर श्री आदित्य बोहरा ने बताया कि AMANTA FABRICS LLP साड़ियों, लहंगों, कुर्तियों और ब्लाउज आदि के लिए विस्कोस और नायलॉन बेस्ड प्रीमियम फैब्रिक का निर्माण करता है। इस एग्जीबिशन में कम्पनी ने लेटेस्ट डवलपमेण्ट के साथ उच्च गुणवत्ता वाले फैब्रिक्स का भव्य डिस्प्ले किया। उन्होंने कहा, 'वीवनिट -2025 हमारे लिए एक बेहतरीन अनुभव रहा। देशभर के व्यापारियों ने हमारे स्टॉल पर पहुँचकर हमारे नए कलेक्शन की सराहना की। तीनों दिन हमारे स्टॉल पर व्यापारियों की जबरदस्त रौनक रही।'

वीवनिट एग्जीबिशन में शिवा इंडस्ट्रीज, सूरत की शानदार प्रस्तुति

वीवनिट एग्जीबिशन में शिवा इंडस्ट्रीज, सूरत ने अपनी कोर प्रोडक्ट रेंज के साथ जोरदार उपस्थिति दर्ज कराई। कंपनी ने इस दौरान नाइलॉन ऑर्गेंजा, डोला, और पोजिशन प्रिंट और फैंसी जेकार्ड साड़ियों की नई रेंज जैसी कई शानदार डेवेलपमेंट पेश कीं, जिन्हें व्यापार जगत से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

कंपनी के डायरेक्टर श्री रवि अग्रवाल ने बताया कि इस प्रदर्शनी में हमारी कोशिश रही कि ग्राहकों तक हमारी नई रेंज को पहुंचाया जाए और क्वालिटी के मामले में हम हमेशा बेहतर देने का प्रयास करते हैं।

शिवा इंडस्ट्रीज के स्टॉल पर कोयम्बतूर, हैदराबाद, मुंबई, जयपुर, कोलकाता, और सूरत के स्थानीय व्यापारियों ने बड़ी संख्या में विजिट किया और कंपनी के प्रोडक्ट्स में गहरी रुचि दिखाई। श्री अग्रवाल ने कहा कि वीवनिट एग्जीबिशन हमारे लिए काफी शानदार अनुभव रहा, यह प्रदर्शनी विवर्स के लिए B2B बिजनेस नेटवर्किंग का एक उत्कृष्ट मंच है।

यूनिफॉर्म साड़ियों और सूट्स का भरोसेमंद नाम

SATISH SILK MILLS

श्री रूषभ अग्रवाल

कम्पनी की विशेषताएँ और रेंज : Satish Silk Mills, Surat यूनिफॉर्म साड़ी और सूट्स की दुनिया में अपनी खास पहचान रखती है। कम्पनी द्वारा प्रस्तुत उत्पाद रेंज में शामिल -

यूनिफॉर्म साड़ियां : स्कूल, कॉलेज, कॉर्पोरेट, हॉस्पिटल व अन्य संस्थानों के लिए।

यूनिफॉर्म सलवार-सूट : आरामदायक और आकर्षक डिजाइन में यूनिफॉर्म का सर्वोत्तम विकल्प।

साड़ी-सूट कॉम्बो : यूनिफॉर्म के लिए साड़ी व सूट का संयुक्त विकल्प।

कम्पनी Crepe, Kota Silk, Cotton Silk जैसे फैब्रिक में यूनिफॉर्म की पूरी श्रृंखला पेश करती है। साथ ही 600-700 रंगों व डिजाइनों में प्लेन, बॉर्डर, प्रिंटेड साड़ियों और सूट्स की विस्तृत रेंज आपूर्ति करती है।

व्यापार मॉडल और नेटवर्क

Satish Silk Mills का कारोबार मॉडल आधुनिक व बहुस्तरीय है। कम्पनी ऑनलाइन, ऑफलाइन, B2B और होलसेल के माध्यम से व्यापार करती है। पूरे भारत में इसका मजबूत वितरक नेटवर्क है, जिसके जरिए तेजी से माल की आपूर्ति संभव होती है। कम्पनी का देशभर में मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क स्थापित है।

श्री रूषभ अग्रवाल ने कहा, 'हमारी प्राथमिकता त्वरित सप्लाई के साथ क्वालिटी प्रॉडक्ट देना है। चाहे ऑर्डर10 साड़ियों का हो या 10,000 साड़ियों का हम समय पर डिलिवरी सुनिश्चित करते हैं।'

सूरत/ सूरत की प्रतिष्ठित टेक्सटाइल कम्पनी Satish Silk Mills Pvt. Ltd. यूनिफॉर्म साड़ियों और सूट्स के क्षेत्र में एक भरोसेमंद नाम है। स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल, कॉर्पोरेट, होटल, शोरूम, सरकारी विभाग और अन्य संस्थानों के लिए कम्पनी उच्च गुणवत्ता की यूनिफॉर्म

Satish® SILK MILLS

साड़ियाँ, सलवार-सूट और साड़ी-सूट कॉम्बो की विशेष रेंज बनाती है।

कम्पनी के युवा डायरेक्टर श्री रूषभ अग्रवाल ने बताया कि Satish Silk Mills ने आगामी सीजन के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। उन्होंने कहा कि हर साल 15 अगस्त के आसपास देशभर में यूनिफॉर्म रिन्यू की जाती है। ऐसे में इस समय डिमाण्ड काफी बढ़ जाती है। हमारी कम्पनी ने इसके लिए विशेष तैयारी की है और हमें देशभर से ऑर्डर मिलने शुरू हो गए हैं। हम 10 से लेकर10,000 साड़ियों तक का ऑर्डर त्वरित सप्लाई कर सकते हैं।

A-2, 2nd Floor, 2007 Regent Textile Market, Ring Road, Kamela Darwaja, Surat–02, Gujarat
Tel. 0261-2323253, Mob. 98251 22634, 98251 24466, Email-satishsilkmills@gmail.com

EARTH FABRICS

बनारसी एवं जैकार्ड सिल्क साड़ियों के प्रसिद्ध निर्माता

सूरत/ साड़ी निर्माण के क्षेत्र में प्रतिष्ठित नाम 'अर्थ फैब्रिक्स' आज बनारसी सिल्क और जैकार्ड साड़ियों की प्रीमियम रेंज के लिए जाना जाता है। वेडिंग और पार्टी वियर साड़ियों के क्षेत्र में कम्पनी ने अपनी खास पहचान बनाई है। कम्पनी के डायरेक्टर श्री भावेश बगड़िया के नेतृत्व में 'अर्थ फैब्रिक्स' निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है और हर सीजन में ग्राहकों के लिए कुछ नया लेकर आती है।

आर्ट सिल्क साड़ियों के लिए सूरत में प्रसिद्ध इस कम्पनी ने आगामी फेस्टिव और वेडिंग

Earth FABRICS
We Believe in Quality & Commitment

सीजन को ध्यान में रखते हुए भव्य तैयारियां की है। इस सीजन में 'अर्थ फैब्रिक्स' लगभग 70 से 80 नए कैटलॉग लॉन्च करने जा रही है, जिसमें आकर्षक और ट्रेंडिंग साड़ियों की विस्तृत श्रृंखला शामिल होगी।

कम्पनी का खुद का इनहाउस डिजाइन स्टूडियो है, जहाँ अनुभवी डिजाइनर्स नए प्रयोग करते हुए अद्भुत डिजाइन और कॉन्सेप्ट पर काम करते हैं। यहीं कारण है कि 'अर्थ फैब्रिक्स' के उत्पाद न केवल क्वालिटी में बेजोड़ होते हैं बल्कि पूरी तरह से डिजाइनर और फैशन ओरिएंटेड भी होते हैं। क्वालिटी और रीजनेबल रेट्स के चलते अर्थ फैब्रिक्स बाजार में तेजी से अपनी पकड़ मजबूत कर रही है। आज के प्रतिस्पर्धी माहौल में 'अर्थ फैब्रिक्स' ने भरोसे का एक मजबूत ब्राण्ड इमेज तैयार की है।

फेस्टिव सीजन की जबरदस्त तैयारी

'अर्थ फैब्रिक्स' आगामी फेस्टिव सीजन के लिए सिल्क साड़ियों में नए डिजाइंस एवं कलर्स लॉन्च कर चुकी है। दुर्गापूजा एवं दिवाली सीजन के लिए कंपनी ने सैकड़ों नये कैटलॉग लॉन्च किए। बनारसी आर्ट सिल्क साड़ीज में महारत हासिल कर लेने के बाद अब कंपनी भागलपुरी फैब्रिक्स नये-नये इनोवेशन कर रही है। जिसके चलते कंपनी को जरी एवं सिल्क यार्न से निर्मित बनारसी साड़ीज, सिल्क साड़ीज एवं भागलपुरी साड़ीज में अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

सूरत ड्रीम्स ब्राण्ड प्रमोशन का सुपर प्लेटफॉर्म

सूरत ड्रीम्स द्वारा आयोजित इंटरनेशनल एथनिक एक्सपो (IEE) के बारे में श्री भावेश बगड़िया का कहना है - 'सूरत ड्रीम्स जैसे इवेंट टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए बेहद जरूरी हैं। हमें ऐसे प्लेटफॉर्म पर अपने नए डवलपमेण्ट को हजारों व्यापारियों के समक्ष प्रेजेंट करने का अवसर मिलता है। इससे न केवल ब्राण्ड प्रमोशन होता है, बल्कि नए व्यापारिक अवसर भी सामने आते हैं। हम शुरूआत से ही इस इवेंट में भाग लेते आ रहे हैं और हर बार हमें बेहतरीन रिस्पॉन्स मिलता है।' 'अर्थ फैब्रिक्स' अपनी शानदार क्वालिटी, आकर्षक डिजाइन और किफायती दरों के साथ इस बार भी सूरत ड्रीम्स के इंटरनेशनल एथनिक एक्सपो में भाग लेने के लिए तैयार है।

Corp. Office: F-2305-06, Upper Ground, Millennium Textile Market, Ring Road, Surat Mob.: 98254-24890

CMAI Drives Surat's Garment Ambitions with Landmark Conclave and Fashionova Show

Surat/ The Clothing Manufacturers Association of India (CMAI) successfully hosted a landmark Garment Conclave in Surat on July 5, 2025, at Avadh Utopia. This full-day event was strategically designed to explore and accelerate Surat's potential as a major garment manufacturing hub, building on its strong textile foundation. The event, organised by the Clothing Manufacturers Association of India (CMAI) – Gujarat Regional Office and powered by the Institute of Design and Technology (IDT), marked a milestone as the first National-level Conclave to be held in Surat. The Conclave unfolded across multiple engaging presentations and panel discussions covering topics such as brand building, artificial intelligence (AI) in manufacturing, sustainability, government policies, and MSME schemes, with participation from Senior officials from the Gujarat and Chhattisgarh governments and the United Nations.

The Conclave commenced with a crucial session focusing on the Gujarat Government's New Textile Policy. Shri K.C. Sampat, MD, INDEXTB, reaffirmed the state government's commitment to supporting the industry. Subsequently, Shri Naresh Babuta, GM, SIDBI, highlighted the institution's emphasis on the MSME sector, particularly the garment industry. Billmart also presented its bill discounting solutions, aiming to streamline working capital for Surat's businesses.

A key highlight was the participation of top leaders from prominent apparel brands like Ashish Dixit, MD, ABFRL, Namit Shrivastava, Ethnics by Raymonds, Jitendra Chauhan, CMD, Jade Blue, Manohar Chatlani, Co-Owner, Soch, Santosh Katariya, MD, Peppermint, Madhukar Sharma, Pantaloons, and Deepak Ahuja, Westside who delivered insightful presentations. They showcased garments crafted from Surat fabrics and expressed a strong willingness to collaborate with and integrate Surat manufacturers into the ready-made garment sector. Acclaimed Fashion Designer Nivedita Saboo further inspired attendees by sharing her positive experiences working with Surat and highlighting the immense opportunities ahead. The Conclave also addressed critical industry

trends with dedicated sessions on Sustainability and Artificial Intelligence (AI). Representatives from the United Nations, Ms. Radhika Kaul Batra and Dr. Pankaj Kumar, contributed to the sustainability discussion, alongside Parvinder from GATS, sharing practical industry experiences. The AI session, presented by FYND, generated significant buzz and was highly interactive, demonstrating the industry's keen interest in technological advancement.

Speaking at the conclave, Santosh Katariya, President, CMAI stated, "Surat is firmly establishing itself as a leading garmenting hub. Rising as an MMF powerhouse, Surat provides an integrated supply chain and well-developed trade infrastructure, uniquely positioned for significant growth. We are observing increased attention from global brands, a testament to Surat's immense potential, particularly amidst instability in other garment-producing regions. This vital sector not only contributes significantly to the local economy through employment and revenue but also holds a collective vision to elevate our garment manufacturing to new global heights."

Naveen Sainani, Hon. Gen. Secretary & Chairman-ESG Committee, CMAI, expressed "For India's domestic apparel industry, embracing sustainability is an urgent, strategic imperative, not just a global trend. As conscious consumers increasingly demand ethical choices, our industry must transform. CMAI has spearheaded this commitment through the SU.RE project, encouraging Indian manufacturers and brands to integrate sustainable practices, fostering a cleaner environment and a responsible fashion future for our nation."

Dr. Ajoy Bhattacharya, Chairman, Gujarat Regional Committee, stated "I am delighted at the tremendous response received by the Conclave from the Surat Industry. More than 450 attendees thoroughly appreciated the insights they received during the one-day Conclave, and express my sincere gratitude to the dedicated team of Mayur Golwala, Vishal Paheriwal, Vikas Agarwal, and Anupam Goyal for making this Conclave a huge success."

Adding a vibrant dimension to the Conclave was "FASHIONOVA 2025," a dynamic fashion show powered by the Institute of Design and Technology (IDT). Students of IDT showcased their creations, with a strong emphasis on sustainable fashion. A special sequence dedicated to "Operation Sindoor" further enhanced the show's impact and message. IDT also provided comprehensive support in organizing the entire Conclave.

This event marks a significant milestone in Surat's evolution, solidifying its position not just as a textile powerhouse, but as an emerging leader in India's ready-made garment industry.

About CMAI: The Clothing Manufacturers Association of India (CMAI) is the most representative association of the Indian apparel industry having over 5,000 members and serving more than 35,000 Retailers. Its Membership consists of Manufacturers, Exporters, Brands, and ancillary industry. CMAI advocates regarding policies and also guides and encourages its members on ESG related matters and initiatives. In 2019, CMAI launched the SU.RE initiative to encourage members to embrace sustainability.

Established over sixty years ago, CMAI has contributed immensely towards development of the industry. In 1978, CMAI had led the creation of the Apparel Export Promotion Council (AEPC). CMAI is also authorised by the Government of India to issue Certificate of Origin (Non-Preferential) to Exporters. CMAI is the only Indian Association that represents the entire Indian Apparel Industry & Trade on prestigious international forums such as International Apparel Federation (IAF) headquartered in Netherlands.

Gartex Texprocess India partners with Drycleaners and Launderers

Association of India to debut the Textile Care Forum

Mumbai/ India's laundry and textile care segment is experiencing growth with the industry's emphasis on eco-friendly chemicals, waterless cleaning systems, sustainable laundry operations, circularity, textile lifecycle management and maintenance standards. According to IMARC Group, the Indian dry-cleaning services market size reached USD 1.31 billion in 2024 and is expected to reach USD 2.09 billion by 2033, exhibiting a growth rate of 5.40% during 2025-2033. Professional garment cleaning and textile care services have emerged as critical sectors in the textile value chain. This move will further strengthen Gartex Texprocess India's portfolio, drawing on the expertise of Messe Frankfurt Group's flagship 'Texcare' brand – a global reference point for the laundry, cleaning and textile services industry. As the demand for professional sustainable and technologically advanced textile care solutions grows in India, the Texcare community is finding an increasingly fertile ground in this market.

The Drycleaners and Launderers Association of India has been instrumental in connecting over 3,000+ stakeholders from India's cleaning and textile care fraternity ranging from traditional launderers and modern-day dry cleaners to commercial laundry chains and service providers. Their expertise will enhance the positioning of textile care and professional cleaning as an integral part of the garment and textile ecosystem of Gartex Texprocess India. For the upcoming New Delhi edition of Gartex Texprocess India 2025, the Drycleaners and Launderers Association of India will be associated as the Knowledge Partner for Textile Care Forum which will be organised on the second day of the show - 22nd August 2025. This will engage the members of DLAI, professional launderers, dry cleaners, wet cleaners and various textile care experts and industry stakeholders.

This will shed a spotlight on innovations in cleaning machinery, stain treatment solutions, biodegradable chemicals as well as automation and more, through the Textile Care Forum and encourage participation from the segment.

Mr Suresh D Bhatia, President, Drycleaners and Launderers Association of India, expressed: "At the Drycleaners and Launderers Association of India, we have always believed in the power of collaboration and innovation to uplift the textile care industry. The synergies between Gartex Texprocess India and DLAI are deeply aligned. While Gartex serves as a catalyst for technological evolution in textile and garment production, DLAI represents the critical last-mile link in the lifecycle of these textiles—ensuring longevity, hygiene and quality upkeep. Together, we form a complete circle of care, from creation to preservation. It is through such shared spaces that our industry moves forward—not just in commerce, but in craftsmanship, community, and credibility."

"In India, we are seeing a clear demand for organised, efficient and sustainable laundry solutions ranging from hospitality and healthcare to industrial and domestic segments. The association with the Drycleaners and Launderers Association of India opens a great opportunity not only for our show but also to strongly align our global brand – Texcare's vision and global expertise with a platform like Gartex Texprocess India. This will help us address this shift while facilitating deeper business engagements and open an all-new industry network," expressed Mr Raj Manek, Executive Director & Board Member, Messe Frankfurt Asia Holdings Ltd.

Ms Himani Gulati, Director, MEX Exhibitions Pvt Ltd, stated: "Gartex Texprocess India has always been ahead of the curve in reflecting the real industry shifts. With Drycleaners and Launderers Association of India, we're adding a new dimension to the show for textile care and professional laundry machinery and technologies. The Textile Care Forum backed by them will not only enhance the show offerings but also bring a sharper focus to sustainability and hygiene in textile maintenance."

Over the years, the show has seen participation from the laundry and dry-cleaning machinery segment, hinting at the industry's growing interest in bridging the gap between fashion, functionality and care. With the formalised presence of the Drycleaners and Launderers Association of India, new collaborations and growth for the segment are set to accelerate.

Through its partnership with Gartex Texprocess India, Drycleaners and Launderers Association of India will now bring sector-specific insights, textile care experts, knowledge forums and workshops as well as curated pavilions aimed at industry upskilling, sustainability and future readiness.

From featuring fabrics to denim, textile manufacturing machinery to screen-printing machinery to accessories and trims – Gartex Texprocess India moves forward to become a 360-degree hub for India's textile machinery manufacturing and technologies, denim, screen printing, fabrics, trims and accessories and textile care ecosystem. The New Delhi edition of the show will be held from 21 – 23 August 2025 at Bharat Mandapam (Pragati Maidan), New Delhi.

दूरदर्शी नेतृत्व की उपस्थिति में भारत मर्चेंट्स चेंबर द्वारा 'नेक्स्टजेन (NextGen) सम्मान समारोह' का भव्य आयोजन

मुम्बई

मुम्बई/ वस्त्र, व्यापार, वाणिज्य एवं उद्योग जगत की अग्रणी संस्था भारत मर्चेंट्स चेंबर ने 15 जुलाई 2025 को CCI क्लब चर्चगेट, मुम्बई में 'नेक्स्टजेन रेकग्निशन अवॉर्ड्स सेरेमनी' का अविस्मरणीय आयोजन किया। इस समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. श्री सुनील देवधर (प्रख्यात वक्ता) एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती रूप राशि (IA & AS) की गरिमामयी उपस्थिति में यह आयोजन अत्यंत प्रेरणादायक रहा। इस अवसर युवा उद्यमियों को सम्मानित किया गया। पारंपरिक पारिवारिक वस्त्र व्यवसाय के जैविक विकास और आधुनिकीकरण में उनके उल्लेखनीय प्रयासों की मान्यता स्वरूप श्री शिवांशु रमेश गुप्ता, आरती झुनझुनवाला, पृथ्वी संजय भगत, श्रीपत जगीरदार, दिव्या कुमार सुनील सिरसलेवाला और शेरी मुकीम को स्मृति-चिह्न भेंट किए गए।

यह समारोह पारंपरिक पारिवारिक व्यवसाय में नई पीढ़ी के स्वागत का एक भावनात्मक क्षण था, जिसमें आधुनिक नवाचार, नवीनतम तकनीकी के साथ एक नया दृष्टिकोण देखने को मिला, जो भारत को वैश्विक वस्त्र बाजार में फिर से अग्रणी बनाने की दिशा में सकारात्मक कदम साबित होगा। श्रीमती रूपराशि और श्री सुनील देवधर ने अपने प्रभावशाली वक्तव्यों से युवाओं को जैविक विकास, सार्थक नेतृत्व और उत्कृष्टता की ओर प्रेरित किया।

इस गरिमामयी अवसर पर चेंबर के अध्यक्ष श्री नरेंद्र पोद्दार, श्री रतन पोद्दार, श्री श्याम सुंदर खेतान, श्री आनंद प्रकाश गुप्ता, श्री संतोष तुलसियान, श्री शिव कानोडिया, श्री संजय अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य सदस्य एवं विशिष्ट अतिथियों के साथ सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारी भी उपस्थित रहें। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए श्री रतन पोद्दार की श्री सुनील देवधर जी ने प्रशंसा की और उनका धन्यवाद किया।

जून में गिरावट के बावजूद पहली तिमाही में टेक्सटाइल-गारमेण्ट निर्यात में बढ़त

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

जून माह में देश से टेक्सटाइल और गारमेण्ट निर्यात में कमी आई है, लेकिन चालू वर्ष की पहली तिमाही यानि अप्रैल-जून के दौरान निर्यात 3.37 प्रतिशत बढ़कर 9,08 2.39 मिलियन डॉलर पर पहुँच गया है। कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री (सीटी) के अनुसार देश के कुल निर्यात में टेक्सटाइल और गारमेण्ट निर्यात की हिस्सेदारी बढ़कर लगभग 8.10 प्रतिशत हो गई है। साथ ही भारत सरकार द्वारा कुछ देशों के साथ मुक्त व्यापार संधि किए जाने के बाद देश के गारमेण्ट निर्यात को बढ़ावा मिला है। जानकारों के अनुसार चीन से निर्यात घटने का असर भी भारत से गारमेण्ट निर्यात में वृद्धि का पड़ा है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-जून के बीच देश से टेक्सटाइल का निर्यात लगभग 0.94 प्रतिशत घटकर 4,889.79 मिलियन डॉलर रह गया। गत वर्ष इसी अवधि में निर्यात 4,936.23 मिलियन डॉलर था। टेक्सटाइल निर्यात में गिरावट का प्रमुख कारण चीन, बांग्लादेश और कुछ अन्य देशों को कॉटन यार्न के निर्यात में कमी आना है। दूसरा गारमेण्ट का निर्यात 8.91 प्रतिशत उछलकर 4,192.79 मिलियन डॉलर हो गया। गत वर्ष गारमेण्ट का निर्यात 3,849.71 मिलियन डॉलर था। पहली तिमाही में देश से कॉटन यार्न, फैब्रिक्स, मेड-अप्स, हैंडलूम आदि का निर्यात 1.94 प्रतिशत घटकर 2,860.08 मिलियन डॉलर रह गया। मैनमेड यार्न, फैब्रिक, मेड-अप्स आदि का निर्यात मामूली बढ़कर 1,166.68 मिलियन डॉलर हो गया, जबकि जूट उत्पादनों का निर्यात 12.48 प्रतिशत उछलकर 93.7 मिलियन डॉलर हो गया। गलीचों के निर्यात में भी वृद्धि हुई, लेकिन हैंडीक्रॉफ्ट आदि का निर्यात कम रहा।

जून में गिरावट- इस दौरान देश से टेक्सटाइल और गारमेण्ट के निर्यात में मामूली कमी आई और 2,901.70 मिलियन डॉलर का हुआ, जबकि गत वर्ष जून में 2,919.55 मिलियन डॉलर का हुआ था। इस गिरावट का कारण टेक्सटाइल का निर्यात कम होना रहा जो 2.07 प्रतिशत घटकर 1,591.94 मिलियन डॅलर रह गया। गत वर्ष जून में निर्यात 1,625.66 मिलियन डॉलर का हुआ था। बहरहाल, जून में भी देश से गारमेण्ट के निर्यात में वृद्धि जारी रहीं और 1.23 प्रतिशत बढ़कर 1,309.76 मिलियन डॉलर हो गया। गत वर्ष जून में गारमेण्ट का निर्यात 1,293.89 मिलियन डॉलर था। जानकारों का कहना है कि बांग्लादेश, चीन आदि देशों से कॉटन, कॉटन यार्न आदि की खरीद कम करने से भारत से टेक्सटाइल निर्यात में कमी आई है। बहरहाल, गारमेण्ट में निर्यात की वृद्धि दर बनी रहीं, क्योंकि अमेरिका आदि देशों को अधिक निर्यात किया गया। अमेरिका द्वारा भारत की तुलना में चीन, बाग्लादेश आदि आयात पर भारत की तुलना में अधिक टैरिफ लगाने आगामी दिनों में भारत से गारमेण्ट के निर्यात में वृद्धि की दर बने रहने का अनुमान है।

निर्यात अधिक- उल्लेखनीय है कि हाल ही समाप्त हुए वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान देश से टेक्सटाइल और रेडीमेड गारमेण्ट के निर्यात में 6.32 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह 36.61 बिलियन डॉलर पर पहुँच गया। साथ ही देश के कुल निर्यात में टेक्सटाइल और गारमेण्ट का योगदान बढ़कर 8.37 प्रतिशत हो गया है। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान देश से टेक्सटाइल और गारमेण्ट के निर्यात 3.24 प्रतिशत घटकर 34.43 बिलियन डॉलर रह गया था, जबकि वर्ष 2022-23 में निर्यात 35.58 बिलियन डॉलर का स्तर छू चुका था।

आयात- दूसरी ओर रॉ कॉटन, कॉटन वेस्ट और कॉटन यार्न, फैब्रिक आदि के आयात में वृद्धि का दौर बना रहा। अप्रैल-जून के दौरान रॉ कॉटन और कॉटन वेस्ट का आयात लगभग 73 प्रतिशत उछलकर 262.92 मिलियन डॉलर हो गया, जबकि गत वर्ष इसी अवधि में आयात केवल 152.01 मिलियन डॉलर का ही था। जानकारों का कहना है कि विश्व बाजार में कॉटन के भाव भारत की तुलना में काफी सस्ते होने से अप्रैल और मई के दौरान कॉटन के आयात में भारी वृद्धि हुई, लेकिन जून में यह दर घटकर केवल 5 प्रतिशत ही रह गई। इसी प्रकार टेक्सटाइल यार्न फैब्रिक मेड-अप्स आदि का आयात 11.28 प्रतिशत बढ़कर 619.95 मिलियन डॉलर हो गया।

उल्हासनगर गारमेण्ट फेयर (UGF) रहा बेहद सफल

गारमेण्ट निर्माताओं ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए

उल्हासनगर

रेडीमेड गारमेण्ट का व्यापार दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। आज हर क्षेत्र में गारमेण्ट निर्माताओं द्वारा प्रगति करते हुए अपने उत्पादों को देश-विदेश में सप्लाई करने में अग्रणी रहे हैं। आज भारत की तमाम मण्डियों में गारमेण्ट निर्माता अपने उत्पादों को टेक्सटाइल फेयर में प्रदर्शित करने में लगा है। इसी कड़ी में मुम्बई के उल्हासनगर फेडरेशन (UGF) द्वारा हाल ही में 13 से 15 जुलाई 2025 को रेजेंसी एन्टीला ग्राउण्ड सेन्चुरी रेयॉन के पास इस फेयर को आयोजित किया गया।

UGF
ULHASNAGAR GARMENT FAIR

इस फेयर का उद्घाटन महाराष्ट्र सरकार के कपड़ा मंत्री माननीय श्री संजय सावकारे के साथ उल्हासनगर रेडीमेड गारमेण्ट फेडरेशन (UGF) के पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। यह फेयर पिछले वर्ष भी लगा जिसकी अपार सफलता के बाद इस वर्ष यह फेयर और भी विस्तृत रूप लिए हुए था। इस फेयर में 165 स्टॉल के साथ लगभग 130 ब्राण्ड्स ने गारमेण्ट ट्राउजर, शर्ट, डेनिम, कुर्ता, एथनिक की रेंज पेश की गई जो वाकई में लाजवाब थी। फेडरेशन के पदाधिकारियों द्वारा श्री सावकारे का स्वागत किया गया एवं आभार भी प्रकट किया गया की आपके द्वारा इस फेयर को समर्थन करना हमारे लिए गर्व की बात है। उल्हासनगर फेडरेशन (UGF) अपने व्यापारियों के हितों में कार्य करता आया है एवं हम हमेशा अपने नेटवर्क को बढ़ाने में नई दिशा की ओर आगे बढ़ा रहे हैं।